RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 133 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 07-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नगालैंड को केवल हॉर्नबिल महोत्सव के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए : सिंधिया

6 नायक भीम सिंहः ग्रेनेड धमाके में भी नहीं डिगा हौसला, खूंखार आतंकवादी को किया ढेर

7 पुतिन के लिए राजकीय भोज में गर्मजोशी भरा और आत्मीय माहौल था : थरूर

फर्स्ट टेक

दक्षिण अफ्रीका में 'बार' में गोलीबारी में 11 की मौत

केपटाउन (द.अफ्रीका)/एपी। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी के निकट एक गैर-लाइसेंसी 'बार' में शनिवार को कई संदिग्धों द्वारा की गई गोलीबारी में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों में तीन, 12 और 16 साल के तीन बच्चे शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा के एक बयान के अनुसार 14 अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने घायलों की उम्र या उनकी स्थिति के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी शनिवार तड़के प्रशासनिक राजधानी प्रिटोरिया के पश्चिम में सॉल्सविले टाउनशिप के एक छात्रावास के भीतर एक 'बार' में हुई। पुलिस ने बताया कि दस लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा 11वें की अस्पताल में मौत हो गई।

गाजा पट्टी में युद्ध-विराम अहम दौर में : कतर के प्रधानमंत्री

दोहा/एपी। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने शनिवार को कहा कि गाजा पट्टी में युद्ध-विराम समझौता अहम दौर में पहुंच चुका है, क्योंकि इसका पहला चरण समाप्त हो रहा है और अब महज एक इजराइली बंधक के अवशेष हमास लड़ाकों के कब्जे में रह गए हैं। शेख मोहम्मद ने राजधानी दोहा में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ इस समझौते को मजबूत करने के लिए दूसरे चरण को आगे बढ़ाने के उपायों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने 'दोहा फोरम' में कहा, हमने अभी जो किया है, वह एक विराम है। हम इसे अभी युद्ध-विराम नहीं मान सकते।

सीमा शुल्क को सरल बनाना अगला बड़ा सुधार होगा : वित्त मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। आम बजट से पहले केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सीमा शुल्क को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार एजेंडा होगा। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने आयकर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में दरों को तर्कसंगत बनाने तथा सरलीकरण जैसे सुधार किए। इससे आम आदमी के हाथ में अधिक नकदी आई और उपभोग बढ़ा। सीतारमण ने यहां 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में कहा, ''हमें सीमा शुल्क का पूरी तरह कायापलट करना है... हमें इसे इतना सरल बनाना है कि लोगों को पालन करना बोझिल न लगे... पारदर्शिता बढ़ानी होगी।'' उन्होंने कहा कि आयकर में जैसी पारदर्शिता लाई गई है, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत है।

अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने के लिए तैयार : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ हमारी सरकार खुली किताब और पारदर्शी है। हम किसी भी चीज़ का सामना करने के लिए तैयार हैं : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

हासन (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार आठ दिसंबर से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने पर उसका सामना करने के लिए तैयार है। उनके साथ उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार भी मौजूद थे।

सिद्दरामय्या ने एक बार फिर कहा कि नेतृत्व के मुद्दे पर वे दोनों आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''उन्हें (विपक्ष को) अविश्वास प्रस्ताव, स्थगन प्रस्ताव या कोई अन्य प्रस्ताव लाने दीजिए। हम उसका सामना करने के लिए तैयार हैं। हमारी सरकार खुली किताब और पारदर्शी है। हम किसी भी चीज़ का सामना करने के लिए तैयार हैं।''

हालांकि, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने स्पष्ट किया कि पार्टी और जद(एस) ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के संबंध में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है।

कर्नाटक विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आठ दिसंबर से महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी में शुरू होगा और इस महीने की 19 तारीख तक चलेगा।

नेतृत्व के मुद्दे पर पूछे गए सवाल पर प्रतिक्रिया देने से बचते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, ''आलाकमान जो भी फ़ैसला लेगा, मैं और डी.के. शिवकुमार उसके प्रति प्रतिबद्ध हैं।''

इससे पहले दिन में, बेंगलुरु में शिवकुमार, डॉ भीम राव आंबेडकर की 70वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ विधान सौध से हवाई अड्डे तक गए थे, जिसके बाद राज्य में नेतृत्व के मुद्दे पर दोनों के बीच संभावित चर्चा के बारे में कुछ अटकलें लगाई जा रही थीं।

'हम सभी को मिलकर देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आज हर क्षेत्र औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है भारत तथा गर्व के साथ नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से अगले 10 वर्षों में देश को गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त करने का शनिवार को आग्रह किया और कई वर्षों की सुस्त आर्थिक विकास को हिंदू विकास दर बताकर पूरी सभ्यता को बदनाम करने की कोशिश करने वाले ''तथाकथित बुद्धिजीवियों'' पर निशाना साधा।

मोदी ने यहां 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में कहा कि जब दुनिया अनिश्चितताओं से भरी हुई है, भारत आत्मविश्वास से लबरेज है और वैश्विक मंदी के दौर में विकास की कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश आत्मविश्वास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है और आज हर क्षेत्र औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है तथा गर्व के साथ नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है।

मोदी ने कहा, ''यह औपनिवेशिक मानसिकता विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक बड़ी रुकावट बन गई है। इसीलिए आज का भारत इस मानसिकता से मुक्त होने के लिए काम कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस औपनिवेशिक मानसिकता का असर ऐसा है कि आज भी, जब दुनिया के कई लोग भारत को वैश्विक विकास का इंजन बताते हैं, बहुत कम लोग इस उपलब्धि के बारे में गर्व से बात करते हैं। उन्होंने पूछा, ''क्या कभी किसी ने इसे हिंदू विकास दर कहा है?'' उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि यह संज्ञा उस समय इस्तेमाल की गई थी जब भारत दो से तीन प्रतिशत की विकास दर तक पहुंचने के लिए भी जूझ रहा था।

मोदी ने कहा कि देश के आर्थिक प्रदर्शन को उसके लोगों के विश्वास से जोड़ा गया था और एक पूरे समाज को गरीबी का पर्याय बनाकर पेश किया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह संदेश दिया जा रहा था कि भारत की धीमी विकास दर किसी न किसी तरह हिंदू सभ्यता का ही परिणाम है। और जो लोग आज हर मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देते हैं, उन्हें उस समय इस पर कोई आपत्ति नहीं थी। यह संज्ञा किताबों और शोध पत्रों का हिस्सा बन गई।'' मोदी ने कहा, ''भारत में मानसिक गुलामी के बीज बोने वाली मैकाले की नीति 2035 में 200 वर्ष पूरे कर लेगी। इसका मतलब है कि अभी 10 वर्ष बाकी हैं। इसलिए, इन्हीं 10 वर्षों में हम सभी को मिलकर अपने देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त कराना होगा।'' उन्होंने कहा कि भारत उच्च विकास और निम्न मुद्रास्फीति का एक मॉडल है। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश की 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर दर्शाती है कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन रहा है।

इंडिगो संकट का पांचवां दिनः

इंडिगो ने 800 से अधिक उड़ानें रद्द की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने अपने मौजूदा संकट के पांचवें दिन शनिवार को 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इस बीच सरकार ने हवाई किरायों पर सीमा लगाई है और एयरलाइन को रविवार शाम तक सभी रिफंड प्रक्रिया को पूरा करने का आदेश दिया है। नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार शुक्रवार को छह महानगरों के हवाईअड्डों से इंडिगो की समय पर उड़ान संचालन दर घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई।

अनियमितता पर एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

सरकार ने कहा है कि किसी भी तरह की अनियमितता पर एयरलाइन के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई की जाएगी।

इंडिगो की उड़ान रद्द होने से हजारों यात्रियों पर असर पड़ा है। इसके चलते मंत्रालय ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया कि रद्द उड़ानों के टिकटों का रिफंड रविवार शाम तक करे और यात्रियों से अलग हुए सामान अगले दो दिनों के भीतर उनके पास पहुंचाए जाएं। एयरलाइन ने शुक्रवार को 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं।

इंडिगो ने कहा कि उसकी टीम समय-निर्धारण को स्थिर करने, देरी कम करने और यात्रियों की सहायता करने के लिए तेजी से काम कर रही है।

एयरलाइन ने अपने बयान में यह भी कहा कि वह रिफंड से संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर देख रही है।

89 विशेष रेलगाड़ियां चलाने की घोषणा

विमानन कंपनी इंडिगो द्वारा बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द किए जाने के कारण लोगों को रही परेशानी को दूर करने के लिए रेलवे ने शनिवार को सभी जोन में 89 विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की। रेलवे मंत्रालय की समन्वित योजना के तहत, इन रेलगाड़ियों के कुल 100 फेरों की सबसे कम समय में व्यवस्था की गई। इसके लिए नयी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, पटना और हावड़ा जैसे प्रमुख शहरों में यात्रा भार का विश्लेषण किया गया। यातायात की स्थिति के आधार पर विशेष रेलगाड़ियों की संख्या और उनके फेरों में और वृद्धि की जा सकती है।

इंडिगो के सीईओ को कारण बताओ नोटिस

विमानन नियामक डीजीसीए ने शनिवार को इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स को कारण बताओ नोटिस जारी कर उड़ानों में भारी व्यवधान के लिए स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। लगातार पांच दिनों से इंडिगो की उड़ानों में काफी व्यवधान आ रहा है, सैकड़ों उड़ानें रद्द हो रही हैं । सूत्रों ने बताया कि नोटिस में नियामक ने कहा कि बड़े पैमाने पर परिचालन विफलताएं योजना, निरीक्षण और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण खामियों का संकेत देती हैं। नोटिस में कहा गया है, ''...सीईओ के रूप में आप एयरलाइन के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन आप विश्वसनीय संचालन के लिए समय पर व्यवस्था सुनिश्चित करने और यात्रियों को अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के अपने कर्तव्य में विफल रहे हैं।''

भाजपा ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देवघर (झारखंड)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को दावा किया कि पार्टी ने कभी अपनी विचारधारा से समझौता नहीं किया है।

देवघर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने झारखंड में 'कमल' (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिलाने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

नड्डा ने 2024 के विधानसभा चुनावों के बाद राज्य के अपने पहले दौरे में कहा, ''सभी पार्टियां वंशवादी हो गई हैं, लेकिन भाजपा इससे अछूती है। वंशवादी राजनीति में भी पारिवारिक झगड़े होते हैं। हालांकि मैं गर्व से कह सकता हूं कि हम एकमात्र ऐसी पार्टी हैं जो पूरी तरह से विचारधारा पर काम करती है।''

नड्डा ने कहा, ''मैं 1952 में पैदा नहीं हुआ था। लेकिन इस देश में ऐसे लोग थे जो इस विचार को साझा करते थे कि एक देश में दो निशान, दो विधान, दो प्रधान नहीं होंगे। वह नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे, जो जनसंघ के पहले अध्यक्ष बने। 1952 से 2019 तक लगभग चार से पांच पीढ़ियां गुजर गईं।

ओडिशा में छात्रा ने किया आत्मदाह का प्रयास, छह महीने में पांचवां मामला

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में कथित तौर पर आत्मदाह का प्रयास करने के बाद एक स्नातक छात्रा लगभग 90 प्रतिशत तक झुलस गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पिछले छह महीनों में राज्य में इस तरह की यह पांचवीं घटना है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात लांजीबेरना इलाके में यह घटना हुई। छात्रा के परिवार के सदस्य सो रहे थे, तभी उसने यह कदम उठाया। स्नातक की द्वितीय वर्ष की छात्रा को पहले एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में राउरकेला के इस्पात सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने कहा कि उसकी हालत बेहद गंभीर है। सुंदरगढ़ की पुलिस अधीक्षक अमृतपाल कौर ने बताया, पुलिस ने इस सिलसिले में 25 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि वह व्यक्ति छात्रा को प्रताड़ित कर रहा था। पीड़िता की मां ने कहा, शुक्रवार रात परिवार के सभी लोग सोने चले गए थे, जबकि वह पढ़ाई कर रही थी।

किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं : कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि वह बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं। कोहली तीन मैचों की इस शृंखला में 302 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। पहले दो वनडे में शतक जड़ने के बाद तीसरे मैच में भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद उन्हें शृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। भारत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की शृंखला को 2-1 से जीता।

कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो इस शृंखला में मैं जिस तरह से खेला, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक बात है। मैं वास्तव में किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले दो-तीन साल से इस तरह नहीं खेला है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे पता है कि जब मैं इस तरह से बल्लेबाजी करता हूं तो यह टीम की बहुत मदद करता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है कि मैं किसी भी स्थिति को संभालकर मैच का रुख टीम की ओर मोड़ सकता हूं।''

कोहली ने माना कि एक बल्लेबाज के रूप में अनुभव चाहे कितना भी हो लेकिन ऐसे हालात आते हैं जब मन में संदेह होने लगता है। उन्होंने कहा, '' जब आप इतने लंबे समय तक खेलते हैं (15-16 साल) तो आप कई बार खुद पर संदेह करने लगते हैं। खासकर एक बल्लेबाज के रूप में जब एक गलती आपको आउट करा सकती है। यह एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होने की पूरी यात्रा है।

भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर 'सबसे स्थिर' संबंधों में से एक है : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत-रूस साझेदारी पिछले 70-80 वर्षों में ''सबसे स्थिर और अहम संबंधों'' में से एक रही है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा का उद्देश्य आर्थिक सहयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए इन संबंधों को ''फिर से परिभाषित'' करना था।

जयशंकर ने इस विचार से असहमति जताई कि पुतिन की यात्रा भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी वार्ताओं को जटिल बना सकती है।

जयशंकर ने 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में कहा, ''नहीं, मैं आपसे असहमत हूं। मुझे लगता है कि हर कोई जानता है कि भारत के दुनिया के सभी प्रमुख देशों के साथ बेहतर संबंध हैं।'' जयशंकर से पूछा गया था कि क्या पुतिन की नई दिल्ली की दो दिवसीय यात्रा का प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ वार्ता पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि किसी भी देश की ऐसी अपेक्षा उचित नहीं है कि उसे यह कहने या दखल देने का हक है कि हमारे दूसरे देशों के साथ रिश्ते कैसे हों।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि याद रखिए, दूसरे देश भी वही अपेक्षा कर सकते हैं। मेरा मानना है कि हमने हमेशा स्पष्ट किया है कि हमारे अनेक देशों के साथ संबंध हैं। हमारे पास अपनी पसंद की आजादी है।

जयशंकर ने कहा, ''हम जिसे रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, उसके बारे में लगातार बात करते रहे हैं और वह जारी भी है। मुझे समझ नहीं आता कि किसी के पास इसके विपरीत अपेक्षा करने का कोई कारण क्यों होना चाहिए।''

विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि ट्रंप प्रशासन का ध्यान व्यापार पर रहा है और कहा कि इस दिशा में भारत का दृष्टिकोण पूरी तरह से राष्ट्रीय हितों से प्रेरित है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस समय व्यापार सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह स्पष्ट रूप से वाशिंगटन की सोच का केन्द्र बिन्दु है, यह पहले की सरकारों की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, जिसे हमने पहचाना है और हम इसका सामना करने के लिए तैयार हैं।''

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने शुक्रवार को पूरी रात यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इससे पहले, अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा था कि वे लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के वास्ते तीसरे दिन की बातचीत के लिए शनिवार को मिलेंगे।

बातचीत में युद्ध के बाद यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा तंत्र तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति के उपरांत दोनों पक्षों ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी वास्तविक समझौते की दिशा में आगे बढ़ना अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि रूस दीर्घकालिक शांति के लिए कितनी गंभीरता दिखाता है।

अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और यूक्रेन के वार्ताकार रुस्टेम उमेरोव तथा आंद्रिय ह्नातोव की ओर से यह बयान शुक्रवार को फ्लोरिडा में हुई दूसरे दिन की बैठक के बाद आया। उन्होंने अब तक हुई प्रगति के बारे में केवल मोटे तौर पर ही कुछ बातें बताईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि कीव और मॉस्को युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से तैयार मध्यस्थता प्रस्ताव पर सहमत हों।

07-12-2025 सूर्यास्त 5:41 बजे | 08-12-2025 सूर्योदय 6:19 बजे

BSE	NSE
85,712.37 (+447.05)	26,186.45 (+152.70)

सोना	चांदी
13,373 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	196,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समर्थन मूल्य

भंगिमाएं देख जन की,
कर रहे अब भाव नर्तन।
हो न जाए वोटरों का,
अन्य पक्षों में प्रवर्तन।
इन चुनावों की फसल में,
हो गए सब रिक्त बर्तन।
जो न समझे मर्म जन का,
है नहीं उनको समर्थन।।

सहज स्मृति योग

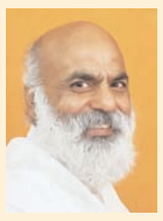

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, पाप और दोष में क्या अंतर है ? पाप कैसे लगता है और दोष कैसे उत्पन्न होता है ?

उत्तर: आत्मा चाहे जीवात्म-स्वरूप हो या महात्म-स्वरूप हो या फिर परमात्म-स्वरूप, एक केवल आत्मा ही है जो सदैव निर्दोष और निष्पाप है। शैशवावस्था में अबोध होने के कारण हमारा आचरण निर्दोष और निष्पाप माना जाता है उसके उपरांत आत्मा की आवाज़ पहचानने की दीक्षा होती है तब या तो अदीक्षित या अनुशासनहीन बने रहने से या फिर दीक्षित होकर आत्मा की आवाज़ सुनकर भी उसको अमल में न लाने से पाप लगता है, जिससे दोष उत्पन्न हो जाता है। दोषी हम दूसरे की दृष्टि में होते हैं,पापी स्वयं अपनी दृष्टि में; दोनों में यही अंतर है। इसलिए दूसरे में दोष दर्शन से बचना चाहिए, वह पाप कर्म है।

कर्नाटक डीएसटी-पीएचडी फेलोशिप की तिथि बढ़ाई गई

बेंगलूरु। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), कर्नाटक सरकार कर्नाटक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसाइटी (केएसटीईपीएस) के माध्यम से विज्ञान और इंजीनियरिंग में शोध छात्रों के लिए कर्नाटक डीएसटी-पीएचडी फेलोशिप कार्यक्रम को लागू कर रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कार्यक्रम के तहत फेलोशिप प्राप्त करने के लिए कर्नाटक में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान/कॉलेज में विज्ञान या इंजीनियरिंग में पीएचडी के लिए पहले से ही पंजीकृत पात्र शोध विद्वानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

अधिसूचना के अनुसार ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2025, शाम 5.30 बजे तक बढ़ा दी गई है। अधिक जानकारी और आवेदन जमा करने के लिए लिंक के लिए http://ksteps.karnataka.gov.in पर लॉग इन करें।

आर्मी ट्रेनिंग कमांड के सेना कमांडर ने बेंगलूरु का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, आर्मी ट्रेनिंग कमांड लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने 3 से 6 दिसंबर तक बेंगलूरु का दौरा किया। यह दौरा जॉइंटनेस बढ़ाने, ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का रिव्यू करने और भविष्य के लिए तैयार क्षमताओं से संबंधित नई टेक्नोलॉजी का अन्वेषण करने पर केंद्रित था।

सेना कमांडर ने एयर फ़ोर्स ट्रेनिंग कमांड हेडक्वार्टर का भी दौरा किया। एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल तेजिंदर सिंह के साथ बातचीत में थल सेना और वायुसेना के बीच जॉइंटनेस और तालमेल को मज़बूत करने पर ज़ोर दिया गया।

डेलाइट सेंटर ऑफ़ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के दौरे पर एएससी सेंटर एंड कॉलेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल जेके गेरा के साथ सेना कमांडर को नवीनतम सॉल्यूशंस और सैन्य अभियानों में एआई के संभावित इस्तेमाल के बारे में बताया गया।

पांच दिसंबर को सेना कमांडर ने आर्मी सर्विस कॉर्प्स सेंटर एंड कॉलेज का दौरा किया। इस दौरान उन्हें जारी और भविष्य के सभी ट्रेनिंग कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। जनरल ने ड्रोन, लॉजिस्टिक्स, मैकेनिकल ट्रांसपोर्ट और एयर मेंटेनेंस में हाई टेक्नोलॉजी वाले प्रोजेक्ट्स के खास संदर्भ में एस्टैब्लिशमेंट में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का रिव्यू किया। उन्होंने उभरती हुई टेक्नोलॉजी को तेज़ी से अपनाने और इनोवेशन को आज की ज़रूरतों के साथ जोड़ने के लिए संस्थान की तारीफ़ की।

सेना कमांडर ने कॉर्प्स ऑफ़ मिलिट्री पुलिस सेंटर एंड स्कूल का दौरा किया। कमांडेंट ब्रिगेडियर मयंक वैद ने ट्रेनिंग प्रोग्राम, मॉडर्नाइज़ेशन की पहल और भविष्य में क्षमता विकास के बारे में जानकारी दी। जनरल ऑफिसर ने बेंगलूरु में रहने वाले सिंध हॉर्स रेजिमेंट के पूर्व सैनिकों से बातचीत की। उन्होंने समुदाय के प्रति सेना की प्रतिबद्धता को दोहराया।

जम्मू कश्मीर, चीन पर 'ऐतिहासिक भूल' नेहरू की विरासतः भाजपा का सोनिया गांधी पर पलटवार

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान और चीन को भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देना तथा जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देना जैसी ऐतिहासिक भूल जवाहरलाल नेहरू की विरासत है। भाजपा ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर भी उनके इस आरोप के लिए निशाना साधा कि मौजूदा सरकार का मुख्य उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष के आरोपों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पलटवार करते हुए कहा कि सोनिया गांधी ने अपने आरोप में जिस शब्द का प्रयोग किया, वह उनके बेटे राहुल गांधी का ''समानार्थी'' है।

सोनिया गांधी ने आरोप लगाया था कि सत्तारूढ़ भाजपा का लक्ष्य न केवल देश के पहले प्रधानमंत्री की विरासत को ''मिटाना'' है, बल्कि उनकी सामाजिक और राजनीतिक बुनियादों को ''नष्ट'' करना है।

भाटिया ने आरोप लगाया, ''अगर आज भारतीय राजनीति में कोई 'भस्मासुर' है, तो वह राहुल गांधी हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टियों को बर्बाद कर दिया, और फिर लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की पार्टी के साथ गठबंधन करके उन्हें बर्बाद किया।''

उन्होंने कहा, ''हाल में बिहार (चुनाव) में तेजस्वी यादव को नष्ट करने के बाद, वह अब उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव को नष्ट करने के लिए जा रहे हैं।''

सोनिया गांधी ने शुक्रवार को दावा किया था कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करने के 'प्रोजेक्ट' को आगे बढ़ाया जा रहा है तथा वर्तमान सरकार का मुख्य उद्देश्य भी यही है। उन्होंने यहां 'जवाहर भवन' में आयोजित एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि इस 'प्रोजेक्ट' का सामूहिक रूप से मुकाबला करना होगा।

गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में नेहरू के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि आज न सिर्फ उनके व्यक्तित्व एवं उनके योगदान को कमतर करने के प्रयास किये जा रहे हैं, बल्कि उनकी बहुआयामी विरासत को भी कमजोर करने की कोशिश की जा रही है।

उनके आरोप पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाटिया ने पूछा, ''नेहरू की विरासत क्या है?''

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, ''नेहरू की विरासत में संविधान में अनुच्छेद 370 को शामिल करना, चीन के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य बनने का प्रस्ताव ठुकराना तथा पाकिस्तान और चीन, दोनों को भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देना शामिल है।'' उन्होंने सोनिया गांधी से इन 'ऐतिहासिक भूलों' पर जवाब मांगा।

महापरिनिर्वाण दिवस

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नई दिल्ली में बीआर अंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि पर नेशनल मेमोरियल पर आयोजित 'महापरिनिर्वाण दिवस' में शामिल हुईं।

दौरा

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित, कन्नड़ भाषा की लेखिका बानू मुश्ताक ने शनिवार को सपना बुक हाउस का दौरा किया। उन्होंने कहा कि मैंने कई देशों की यात्रा की है। 'मैंने कई संस्कृतियाँ देखी हैं। इस यात्रा के बाद, मेरी धारणाएँ बदल गई हैं। मैं ज़्यादा खुल गई हूँ।' बानो मुश्ताक ने सपना बुक हाउस में कथाकार जोगी के साथ बातचीत में भाग लिया। इस मौके पर सपना के कन्नड़ विभाग से दोड्डेगौड़ा और अभिरुचि प्रकाशन से गणेश उपस्थित थे।

अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में चैतन्यभूमि पर हजारों लोग जुटे

मुंबई/भाषा। समाज सुधारक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शनिवार को हजारों लोग मुंबई के दादर इलाके में स्थित उनके स्मारक पर एकत्र हुए।अंबेडकर की पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।हर साल छह दिसंबर को चैतन्यभूमि पर आयोजित होने वाले सरकारी कार्यक्रम में हजारों लोग शामिल होते हैं। अंबेडकर का 1956 में आज ही के दिन निधन हो गया था।अंबेडकर के समर्थकों की भारी भीड़ को देखते हुए, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने शिवाजी पार्क में जरूरी इंतजाम किए थे। इस मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना (उबाठा) के नेता उद्धव ठाकरे समेत कई नेताओं ने शिवाजी पार्क में स्थित 'चैतन्यभूमि' पर अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने कहा कि अंबेडकर ने देश को ऐसा संविधान दिया, जिसने सभी लोगों को समान अधिकार सुनिश्चित किए।डॉ. अंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर 'चैत्यभूमि' में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में देवव्रत ने कहा कि महान व्यक्ति सामाजिक न्याय के आंदोलनों को मजबूत करते हैं और अपने विचारों एवं कार्यों के जरिये हमेशा जीवित रहते हैं। उन्होंने कहा, विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, बाबासाहेब का मानना था कि शिक्षा परिवार, समाज और देश का भविष्य बदलने का सबसे शक्तिशाली हथियार है। संविधान ने विभिन्न समुदायों के लोगों को एकजुट किया और सभी के लिए समान अधिकार सुनिश्चित किए। वहीं, फडणवीस ने कहा कि अंबेडकर ने राष्ट्र की प्रगति की नींव रखी और उनकी दूरदर्शी सोच के कारण भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है ।

चक्रीय अर्थव्यवस्था से डेयरी किसानों की आय पांच साल में 20 फीसदी बढ़ जाएगीः अमित शाह

सणादर (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विश्वास जताया कि देश भर में चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल के कार्यान्वयन से अगले पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत वृद्धि होगी।

शाह ने यह बात गुजरात के वाव-थराद जिले के सणादर गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में कही, जो डेयरी के जैव-सीएनजी और उर्वरक संयंत्र के उदघाटन और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास के अवसर पर आयोजित किया गया था। उन्होंने इस अवसर पर बनास डेयरी से जुड़े पशुपालकों को संबोधित किया। उन्होंने डेयरी क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था के सफल मॉडल को विकसित करने के लिए बनास डेयरी के प्रबंधन की सराहना की। इस मॉडल में किसानों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के कई उपाय शामिल हैं, जैसे कि मवेशियों के गोबर को बायोगैस और जैव-उर्वरक में परिवर्तित करना।

चक्रीय अर्थव्यवस्था में चीजों को इस्तेमाल करके फेंकने की बजाय उनकी मरम्मत, पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग पर जोर दिया जाता है, जिससे कचरा और प्रदूषण कम होता है और संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है।

चार बेटियों वाले दंपत्ति ने अपहृत बच्चे को खरीदा, पांच आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा

दिल्ली पुलिस ने सीलमपुर मेट्रो स्टेशन से एक बच्चे का अपहरण और तस्करी करने के आरोप में सात महीने से फरार चल रही एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। डेढ़ महीने के इस बच्चे का जून में अपहरण कर लिया गया था और उसे सकुशल बरामद कर उसकी मां से मिलवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि बच्चे को खरीदने वाले दंपती (40 वर्षीय धीर सिंह और उनकी पत्नी बनीता) ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनकी चार बेटियां हैं और वे एक बेटा चाहते थे। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी देवकी (22) महीनों से लगातार अपने ठिकाने बदल रही थी और आखिरकार उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में एक किराए के मकान से उसे पकड़ लिया गया।

उसने कथित तौर पर चार जून को मेट्रो स्टेशन से नवजात का अपहरण किया था और बाद में उसे दिल्ली के आर्य नगर में डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया था। शास्त्री पार्क मेट्रो पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) (अपहरण) के तहत मामला दर्ज किया गया, लेकिन शिशु और आरोपी को ढूंढने के शुरुआती प्रयासों में कोई सफलता नहीं मिली। बाद में जांच मेट्रो यूनिट के चोरी निरोधक दस्ते को सौंप दी गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तकनीकी और शारीरिक खुफिया जानकारी से देवकी के महोबा में होने का संकेत मिला।

पूछताछ के दौरान, देवकी ने अपहरण और बच्चे को बेचने में शामिल अन्य लोगों की पहचान की। पुलिस ने बताया कि उसने गांधी नगर की एक आंगनवाड़ी सहायिका मंजू देवी (44) के कहने पर शिशु का अपहरण किया था, जबकि इस लेन-देन में घरेलू काम करने वाली शीला (35) ने मध्यस्थता की थी।

पूजा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ धाम की अपनी यात्रा के दौरान पूजा-पाठ करते हुए।

क्या राम मोहन नायडू इंडिगो संकट की जिम्मेदारी लेंगे? : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा

कांग्रेस ने इंडिगो से जुड़े संकट को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर 'डुओपॉली' (सिर्फ दो कंपनियों का एकाधिकार) की नीति अपनाने का आरोप लगाया और सवाल किया कि क्या नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू इस वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदारी लेंगे और माफी मांगेंगे।

पार्टी नेता और लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने यह भी कहा कि जब आठ जनवरी, 2024 को उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियम जारी कर दिए गए थे, तो यह सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया कि वर्तमान स्थिति पैदा ना हो।

सेंथिल ने संवाददाताओं से कहा, वर्तमान इंडिगो संकट भाजपा सरकार द्वारा विमानन क्षेत्र में जबरन डुओपॉली (सिर्फ दो कंपनियों का एकाधिकार) बनाने की कोशिश का सीधा परिणाम है और उसकी विनाशकारी परिणति आज पूरे देश के सामने है। उन्होंने कहा कि पांच दिसंबर, 2025 को इंडिगो द्वारा 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द करने तथा छह दिसंबर को सैकड़ों और उड़ानों के रद्द होने से देश में हवाई यात्रा पूरी तरह ठप हो गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह संकट उस भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार की नीतियों का पूर्वानुमानित परिणाम है, जो प्रतिस्पर्धा को कुचलने, पसंदीदा कॉरपोरेट समूहों को पुरस्कृत करने और एक पूरे राष्ट्रीय उद्योग को कुछ चुनिंदा मित्रों के हित में पुनर्गठित करने पर तुली हुई है।

सेंथिल ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा ''विमानन सुरक्षा से किया गया खिलवाड़ उसकी लापरवाही की पराकाष्ठा'' को दिखाता है।

उनके मुताबिक, आठ जनवरी 2024 को 'उड़ान ड्यूटी समय सीमा' नियम जारी करने के बाद और एक जुलाई 2025 से आंशिक रूप से लागू करने के बाद, भाजपा सरकार ने इस क्षेत्रव्यापी अव्यवस्था के बीच इन महत्वपूर्ण सुरक्षा नियमों को शर्मनाक तरीके से वापस ले लिया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना नहीं, बल्कि घोर आपत्तिजनक भी है। पायलट को थकान से बचाने के लिए बनाए गए इन नियमों को हटाकर, भाजपा सरकार ने यात्री सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है और चालक दल की भलाई को अनिश्चितता में धकेल दिया है।

लोकसभा सदस्य ने सवाल किया, भाजपा सरकार ने पिछले 11 वर्षों में विमानन क्षेत्र को प्रतिस्पर्धी और विविध बनाने की बजाय इसे एकाधिकार और 'डुओपॉली' में सिमटने क्यों दिया? डीजीसीए यह सुनिश्चित करने में क्यों विफल रहा कि इंडिगो जनवरी 2024 में जारी किए गए नियमों का पालन करे? क्या सरकार ने इंडिगो को कोई चेतावनी या पालन नोटिस दिया या विमानन कंपनी को नियमों से पूरी तरह बचाया गया?

'इंडिया' गठबंधन जीवन रक्षक प्रणाली पर : उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली/भाषा

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन इस समय जीवन रक्षक प्रणाली पर है और अंदरूनी खींचतान एवं भाजपा की 24 घंटे चलने वाली चुनावी मशीन से मुकाबला करने में विफलता के कारण उसके 'आईसीयू' में जाने का खतरा है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में विपक्षी गठबंधन की ''संगठनात्मक और रणनीतिक विफलताओं'' का विस्तार से उल्लेख किया और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'अद्वितीय' कार्य नीति के साथ इसके दृष्टिकोण की तुलना की।

अब्दुल्ला ने विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) की वर्तमान स्थिति, विशेष रूप से हाल में हुए बिहार चुनावों के बाद, के बारे में कहा, ''हम एक तरह से जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं, लेकिन कभी-कभी कोई अपना चप्पू निकालता है और हमें थोड़ा झटका देता है, और हम फिर से उठ खड़े होते हैं। लेकिन फिर, दुर्भाग्य से, बिहार जैसे परिणाम आते हैं, और हम फिर से नीचे गिर जाते हैं, और फिर किसी को हमें आईसीयू में ले जाना पड़ता है।''

अब्दुल्ला ने नीतीश कुमार की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी के लिए भी ' इंडिया' गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि हमने नीतीश कुमार को वापस राजग की गोद में धकेल दिया।'' उन्होंने

विपक्षी गठबंधन द्वारा एकजुट दृष्टिकोण अपनाने में विफलता की ओर भी इशारा किया, तथा बिहार में पार्टी की मौजूदगी के बावजूद सीट-बंटवारे की व्यवस्था से जानबूझकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को बाहर रखने के निर्णय का हवाला दिया।

अब्दुल्ला ने 'इंडिया' गठबंधन के चुनाव प्रचार की तुलना भाजपा से की और कहा कि विपक्षी गठबंधन संरचनात्मक रूप से सत्तारूढ़ पार्टी के अनुशासित दृष्टिकोण के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा, ''उनके पास एक अद्वितीय चुनाव मशीन है'', तथा यह ताकत केवल संगठन और वित्तपोषण से कहीं अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''चुनावों के मामले में भी उनकी कार्यशैली अद्भुत है... वे हर चुनाव ऐसे लड़ते हैं मानो उनकी ज़िंदगी उस पर निर्भर हो। हम कभी-कभी चुनाव ऐसे लड़ते हैं मानो हमें कोई परवाह ही नहीं है।''

अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम द्वारा अपनाए गए राजनीति के चौबीस घंटे मॉडल को रेखांकित करते हुए कहा, ''एक चुनाव खत्म होते ही वे अगले क्षेत्र में चले जाते हैं... हम चुनाव से दो महीने पहले उन राज्यों में कदम रखते हैं। अगर हम नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख से पहले अपने चुनावी गठबंधन बना लें, तो हम भाग्यशाली होंगे।'' उन्होंने भविष्य की रणनीति पर कहा कि विपक्ष के लिए (भाजपा को) गंभीर चुनौती देने का एकमात्र तरीका अपने सबसे बड़े घटक दल कांग्रेस के इर्द-गिर्द एकजुट होना है क्योंकि भाजपा के अलावा वह एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसकी अखिल भारतीय उपस्थिति है।

अब्दुल्ला ने स्वीकार किया कि क्षेत्रीय दल अपनी सीमित भौगोलिक पहुंच के कारण विवश हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस को ही प्रमुखता से काम करना होगा।''

तमिलनाडु के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कई अन्य नेताओं ने शनिवार को भारतीय संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने स्कूली विद्यार्थियों के साथ यहां लोक भवन में अंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने यहां अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आंबेडकर का जीवन एक सबक है और उनका संघर्ष समतावादी समाज की दिशा में हमारी यात्रा में प्रोत्साहन का स्रोत है। स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आइए हम महान आंबेडकर के प्रकाश में आगे बढ़ते रहें। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने कहा कि आंबेडकर ने न केवल कानून में बल्कि लोगों के दिलों में भी समानता स्थापित करने के लिए अथक प्रयास किया।

पलानीस्वामी ने 'एक्स' पर कहा, अपनी अंतिम सांस तक उत्पीड़ित लोगों के अधिकारों, समानता और सामाजिक सद्भाव के लिए बिना किसी समझौते के संघर्ष करने वाले क्रांतिकारी डॉ. अंबेडकर के स्मृति दिवस पर मैं उनकी महान ख्याति को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ राजाजी सलाई स्थित आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नेता केए सेंगोट्टैयन ने अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

स्टालिन ने चावल, अन्य राहत सामग्री लदे जहाज को चक्रवात प्रभावित श्रीलंका रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने चक्रवात 'दित्वा' के कारण भारी नुकसान का सामना करने वाले श्रीलंका के लिए 300 मीट्रिक टन चावल सहित राहत सामग्री से लदे एक जहाज को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य सरकार की ओर से चेन्नई बंदरगाह से भेजी गई राहत सामग्री में लगभग 300 मीट्रिक टन चीनी, 300 मीट्रिक टन दाल, 25 मीट्रिक टन दुग्ध पाउडर, दवाइयां, कंबल, धोती, साड़ियां और तौलिए शामिल हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि वस्तुओं की कुल कीमत 1.19 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि 150 मीट्रिक टन चावल, 150 मीट्रिक टन चीनी और अन्य आवश्यक वस्तुओं की एक और खेप आज तूतीकोरिन बंदरगाह से एक जहाज द्वारा भेजी गई। मई 2022 में श्रीलंका को जब गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा था, उस समय भी राज्य ने इसी तरह की मदद की थी। चक्रवात दित्वा के कारण 28 नवंबर को श्रीलंका में भीषण बाढ़ आई थी।

मदुरै के नये फ्लाईओवर का नाम वीरमंगई वेलुनाचियार के नाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को घोषणा की कि यहां थिरुनगर-मेलामदई चौराहे पर बने एक नये फ्लाईओवर का नाम 18वीं सदी के स्वतंत्रता सेनानी वीरमंगई वेलुनाचियार के नाम पर रखा जाएगा।

सरकार द्वारा जारी की गई एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि 150.28 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 950 मीटर लंबे फ्लाईओवर का उद्घाटन सात दिसंबर को किया जाएगा। इसका उद्देश्य व्यस्त मदुरै-थोंडी मार्ग पर यातायात की भीड़ को कम करना है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सड़क अन्ना बस अड्डा चौराहे से शुरू होकर आविन और मेलामदई से होते हुए मदुरै रिंग रोड से जुड़ती है और शिवगंगा जिले के पूवंथी में समाप्त होती है। यह मदुरै और शिवगंगा जिलों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण राज्य राजमार्ग है।

इसमें कहा गया है कि इस मार्ग पर कई शैक्षणिक संस्थानों के स्थित होने के कारण इस क्षेत्र में भारी यातायात रहता है। इसमें बताया गया कि इस पूरे मार्ग पर मौजूद तीन प्रमुख चौराहों पर वाहनों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था जिसके कारण यात्रियों को काफी असुविधा होती थी। इसमें कहा गया है कि नये फ्लाईओवर से मदुरै-थोंडी मार्ग से गोरिपलायम होते हुए रिंग रोड तक वाहनों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

इंडियन बैंक ने रेपो से जुड़ी उधारी दर घटाई

चेन्नई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने के बाद इंडियन बैंक ने अपनी रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर को 8.2 प्रतिशत से घटाकर 7.95 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि संशोधित उधारी दरें छह दिसंबर से प्रभावी हैं। रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर (आरबीएलआर) में 0.25 प्रतिशत की कमी से ग्राहकों के लिए कर्ज सस्ता होगा। आवास ऋण और व्यवसाय ऋण जैसे आरबीएलआर से जुड़े कर्ज लेने वाले ग्राहकों को लाभ होगा। इंडियन बैंक ने तीन दिसंबर से एक वर्षीय निधि आधारित उधार दर की सीमांत लागत (एमसीएलआर) को 0.05 प्रतिशत घटाकर 8.8 प्रतिशत कर दिया है।

पुष्पांजलि

चेन्नई में चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा 6 दिसम्बर को संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 69वें महा परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के चेयरपर्सन आईएएस एस. विश्वनाथन, चीफ विजिलेंस ऑफिसर एस. मुरली कृष्णन, विभिन्न विभागों के प्रमुख और अधिकारियों ने एंकर गेट बिल्डिंग (चेन्नई कलेक्ट्रेट के सामने) में डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा पर फूल चढ़ाए। हार्बर के अंदर अंबेडकर डॉक पर डॉ. बीआर अंबेडकर की मूर्ति पर भी फूल चढ़ाए गए।

उच्च न्यायालय से ममकूटाथिल को मिली अंतरिम राहत सामान्य अदालती प्रक्रिया : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को दुष्कर्म और जबरन गर्भपात के मामले में उच्च न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम राहत को शनिवार को स्वाभाविक और मानक प्रक्रिया बताया। उन्होंने यह भी कहा कि जब अग्रिम जमानत याचिका अदालत में लंबित है, तो किसी को गिरफ्तार करने पर कोई कानूनी रोक नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, लेकिन केरल में याचिका पर अदालत के फैसले का इंतजार करने की प्रथा है। उन्होंने कहा, अब उन्होंने उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी दायर की है। अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया है और मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख तय कर दी है। हमारे राज्य में आम तौर पर यही प्रक्रिया होती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अदालत ने खास तौर पर यह भी कहा है कि गिरफ्तारी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, यह बिल्कुल स्वाभाविक है और प्रक्रिया का ही हिस्सा है। विजयन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ममकूटाथिल को पुलिस से बचाने के लिए खुले तौर पर संरक्षण दे रही है।

उन्होंने इन आरोपों को खारिज किया कि पुलिस जानबूझकर ममकुटाथिल के खिलाफ कार्रवाई में देरी कर रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पुलिस के पास विधायक को गिरफ्तार नहीं करने का कोई कारण नहीं है। केरल उच्च न्यायालय ने कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को बलात्कार और जबरन गर्भपात के मामले में शनिवार को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की।

न्यायमूर्ति के. बाबू ने कहा कि अदालत 15 दिसंबर को ममकूटाथिल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी और तब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम सुरक्षा मिलने के कुछ घंटों बाद ही विधायक ने यौन उत्पीड़न के दूसरे मामले में अग्रिम जमानत के लिए तिरुवनंतपुरम की एक सत्र अदालत में याचिका दायर की।

विधायक के वकील अजितकुमार ने कहा कि आज यहां की सत्र अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई, साथ ही एक आवेदन भी दिया गया कि उच्च न्यायालय के आदेश के मद्देनजर पुलिस उन्हें गिरफ्तार न करे। इस बीच, कांग्रेस नेतृत्व ने अदालती कार्रवाई से खुद को अलग कर लिया और कहा कि ममकूटाथिल को पहले ही पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

अखिर भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस पहले ही इस मामले में अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है। उन्होंने कहा, विधायक को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया है। वह अब पार्टी के सदस्य नहीं हैं। कानून को अपना काम करने दें।''

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने मुख्यमंत्री इन आरोपों को खारिज किया कि कांग्रेस अब भी ममकुटाथिल को राजनीतिक संरक्षण दे रही है। मुरलीधरन ने कहा कि पुलिस विधायक का पता लगाने में नाकाम'' रही है, जिसके कारण मुख्यमंत्री कांग्रेस पर विधायक को संरक्षण देने का आरोप लगा रहे हैं।

सीनियर छात्र पर हमले के आरोप में 11वीं कक्षा के 14 छात्रों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुंभकोणम। तमिलनाडु में कुंभकोणम के पास पट्टेश्वरम में एक सरकारी स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र पर 11वीं कक्षा के छात्रों के एक समूह ने कथित तौर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सरकारी अरिग्नार अन्ना मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुई। उसने बताया कि 12वीं कक्षा के छात्र पर हमले के आरोप में 11वीं कक्षा के 14 छात्रों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को पट्टेश्वरम के थेरोडम कीझावीथी में दो कक्षाओं के छात्रों के बीच झड़प हो गई। उसने बताया कि इस झड़प में 11वीं कक्षा के 14 से अधिक छात्रों ने 12वीं कक्षा के एक छात्र पर कथित तौर पर हमला किया और उसके सिर पर लकड़ी के डंडे से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर घायल छात्र के माता-पिता स्कूल पहुंचे और उसे कुंभकोणम सरकारी अस्पताल ले गए। उन्होंने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद छात्र को इलाज के लिए तंजावुर के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि पट्टेश्वरम पुलिस ने हिरासत में लिए गए 14 आरोपी छात्रों को बाल सुधार गृह में रखा है और उनसे मामले के सिलसिले में पूछताछ की जा रही है।

इंडियन बैंक के एमडी और सीईओ को 'सीईओ ऑफ द ईयर' चुना गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन बैंक को यह घोषणा की है कि उनके प्रबंध निदेशक और सीईओ बिनोद कुमार को तमिलनाडु बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर - इंडस्ट्री वाइज अवार्ड्स 2025 में प्रतिष्ठित 'सीईओ ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान शनिवार को एक पंचतारा होटल में दिया गया।

बिज़नेस लीडर ऑफ़ द ईयर कार्यक्रम उन नेताओं को सम्मानित करने के लिए एक प्रतिष्ठित मानदंड है जिन्होंने अपने संगठनों और व्यापक अर्थव्यवस्था में असाधारण योगदान दिया है। एक स्वतंत्र निर्णायक मंडल ने रणनीतिक नेतृत्व, व्यावसायिक कुशाग्रता, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और हितधारकों के लिए मापनीय मूल्य सृजन तथा सामाजिक कल्याण में सार्थक योगदान के आधार पर एक व्यापक मूल्यांकन के बाद बिनोद कुमार को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना। उद्योग-वार यह मान्यता उत्कृष्टता के प्रति भारतीय बैंक की प्रतिबद्धता तथा जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए इसके नेतृत्व के समर्पण की पुष्टि करती है।

कार्तिगई दीपम दीपक विवाद :

विहिप ने तमिलनाडु की द्रमुक सरकार को 'हिंदू विरोधी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। कार्तिगई दीपम विवाद के बीच, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने शुक्रवार को तमिलनाडु में द्रमुक सरकार पर हमला बोलते हुये इसे हिंदू विरोधी बताया और केंद्र से हिंदुओं के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने तथा राज्य में कानून का शासन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मदुरै के पास एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित मंदिर में पारंपरिक दीपक जलाने के मुद्दे पर विवाद तब पैदा हुआ जब स्थानीय प्रशासन ने कथित तौर पर कई श्रद्धालुओं को पारंपरिक अनुष्ठान करने से रोक दिया, जिसके कारण बृहस्पतिवार को तमिलनाडु भाजपा प्रमुख नैनार नागेंद्रन एवं अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया।

मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ द्वारा थिरुप्पारनकुंड्रम पहाड़ी पर एक प्राचीन पत्थर के खंभे पर दीपक जलाने की अनुमति देने वाले एकल न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करने के बाद नागेंद्रन एवं अन्य लोग पारंपरिक अनुष्ठान करने के लिए मौके पर एकत्र हुए। पहाड़ी पर भगवान सुब्रमण्यम स्वामी का मंदिर है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए द्रमुक सरकार की आलोचना करते हुए श्रद्धालुओं के खिलाफ की गई कार्रवाई को हिंदुओं के मौलिक अधिकारों और संविधान पर हमला और साथ ही न्यायपालिका की अवमानना करार दिया।

इस मुद्दे से शुक्रवार को लोकसभा में हंगामा मच गया। द्रमुक नेता टी आर बालू ने भाजपा पर तमिलनाडु में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जबकि केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने पूजा के अधिकार से इनकार करने के लिए तमिलनाडु सरकार पर पलटवार किया।

सड़क दुर्घटना में आंध्र प्रदेश के चार अयप्पा श्रद्धालुओं समेत पांच लोगों की मौत

रामनाथपुरम। तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में कीलाकरई के पास शनिवार को एक तेज गति से गुजर रही कार ने सड़क किनारे खड़े एक वाहन को टक्कर मार दी जिससे आंध्र प्रदेश के चार अयप्पा श्रद्धालुओं सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि आज कीलाकराई के पास ईसीआर पर एक वाहन खड़ा था तभी कार ने उसे टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में सात लोग घायल हुए हैं और उन्हें यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज करके जांच की जा रही है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने विजय के साथ गठबंधन वार्ता से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के प्रमुख के सेल्वापेरुन्थागई ने अभिनेता से नेता बने विजय के साथ कांग्रेस पदाधिकारी प्रवीण चक्रवर्ती की कथित बैठक संबंधी दावों से शनिवार को साफ तौर पर इनकार किया और इसे अतार्किक बताया। कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि द्रमुक के साथ सीट-बंटवारे पर बात करने के लिए कांग्रेस आलाकमान पहले ही तमिलनाडु के प्रभारी गिरीश चोडनकर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति गठित कर चुका है।

समिति ने चार दिसंबर को 'सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस' के नेता एवं मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से मुलाकात कर सीट-बंटवारे पर अनौपचारिक चर्चा की शुरुआत भी कर दी है। गिरीश चोडनकर की इस समिति में सेल्वापेरुन्थागई, कांग्रेस विधायक दल के नेता राजेश कुमार, एआईसीसी सचिव सूरज एम.एन. हेगड़े और निवेदिथ अल्वा शामिल हैं।

कांग्रेस ने 2021 के विधानसभा चुनाव में द्रमुक गठबंधन के तहत 25 सीट पर चुनाव लड़ा था और 18 सीट जीती थीं। पार्टी इस बार अधिक सीट पर चुनाव लड़ने का लक्ष्य रखती है। विजय और चक्रवर्ती की कथित मुलाकात पर पूछे गए सवाल पर, सेल्वापेरुन्थागई ने कहा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। एआईसीसी ने पहले ही गिरीश चोडणकर के नेतृत्व में समिति बनाई है। आप जो कह रहे हैं वह अकल्पनीय है। हम द्रमुक के साथ हैं।

जब संवाददाताओं ने दोबारा सवाल किया तो उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि क्या कहूं। मीडिया में ऐसी कोई खबर नहीं है कि यह मुलाकात हुई। मैं अटकलों पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकता। उन्होंने यह भी आशा जताई कि द्रमुक कांग्रेस की ताकत को कम नहीं आंकेगी और इस बार उसे सम्मानजनक संख्या में सीट देगी।

शिक्षा मानवीय मूल्यों एवं चरित्र निर्माण का आधार : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि शिक्षा मानवीय मूल्यों एवं चरित्र निर्माण का आधार होना चाहिए। शिक्षकों को किताबी ज्ञान के साथ बच्चों में व्यवहारिक ज्ञान देने के लिए सार्थक प्रयास करने होगें, ताकि हमारे बच्चे किसी भी स्तर पर पीछे नही रहें। हमारा दायित्व है कि बच्चों में सर्वांगीण शिक्षा का विकास हो तथा वह जिस क्षेत्र में भी जाये वहां अपने देश, समाज एवं परिवार का नाम रोशन करें। दिलावर शनिवार को जिला मुख्यालय टोंक के एक निजी रिसोर्ट में पीएम विद्यालयों के प्रधानाचार्यो के आमुखीकरण कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान में विगत दो वर्ष में शिक्षा में कई नवाचार किये गये है। इससे न केवल शिक्षा के स्तर में सुधार आया है, बल्कि बच्चों के नैतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान में भी बढ़ोतरी हुई है। देश में राज्य ने शिक्षा के स्तर में सुधार को लेकर लंबी छलांग लगाई है। पहले यह 12 वें स्थान पर था, अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह हमारी सरकार की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता एवं संकल्प को दर्शाता है।

उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तीन दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला में समाज की अनेक प्रकार की समस्याओं के समाधान में मानवीय मूल्यों की आवश्यकता के बारे में बताया जाएगा। मानवीय मूल्यों की शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तियों में प्रेम, करुणा, सत्य, अंहिसा, सम्मान और जिम्मेदारी जैसे गुणों का विकास करना है, ताकि बच्चे नैतिक निर्णय ले सके। साथ ही भावनात्मक रुप से बुद्धिमान बनकर समाज व पर्यावरण के प्रति सकारात्मक योगदान दे सकें।

इससे पूर्व कार्यशाला की शुरुआत मां शारदे की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं वंदेमातरम गीत के साथ हुई। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, जिलाध्यक्ष चन्दवीर सिंह चौहान, शिक्षा मंत्री के विशेषाधिकारी ओएसडी सतीश गुप्ता, दक्ष प्रशिक्षक डॉ. एसडी चारण, बृजकिशोर शर्मा, सीडीईओ सुबे सिंह यादव, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा समेत अजमेर एवं जयपुर संभाग के प्रधानाचार्य मौजूद रहें।

नर्सिंग छात्रा की गला रेतकर हत्या

जयपुर। खैरथल-तिजारा जिले के मुंडावर कस्बे में 20 साल की नर्सिंग छात्रा की कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार की है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी का अपहरण कर उससे दुष्कर्म किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। आरोपी उपेंद्र कुमार (21) हरियाणा के महेंद्रगढ़ का रहने वाला है। उसने मौके से भागने की कोशिश की लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इस घटना से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने करीब 30 मिनट तक मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

मुंडावर के थानाधिकारी रामनिवास मीणा ने कहा कि पीड़िता के पिता द्वारा दर्ज कराए गए मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मुद्दे को उठाते हुए 'एक्स' पर लिखा,बार-बार इस तथ्य की पुष्टि हो रही है कि राजस्थान में महिलाएं बेहद असुरक्षित हैं। अलवर के मुंडावर में नर्सिंग छात्रा को अगवा करके पहले दुष्कर्म किया गया और फिर निर्दयता से गला रेतकर हत्या कर दी गई।'

उड़ान रद्द होने के बीच रेलवे ने दो विशेष ट्रेन चलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक निजी विमानन कंपनी की उड़ानें रद्द होने के कारण उपजे संकट के बीच उत्तर पश्चिम रेलवे ने दो विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है, जिनमें दुर्गापुरा- बान्द्रा टर्मिनस विशेष ट्रेन शामिल है। रेलवे के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार, उड़ानों के रद्द होने के बीच यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हवाई सेवाओं के रद्द होने के कारण अतिरिक्त यात्रीभार को देखते हुए रेलवे द्वारा दुर्गापुरा (जयपुर)- बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा (जयपुर) स्पेशल (एक फेरा), हिसार-खडकी- हिसार स्पेशल रेलसेवा (एक फेरा) का संचालन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 09729 दुर्गापुरा (जयपुर)-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रेलसेवा सात दिसंबर को दुर्गापुरा से 12.25 बजे रवाना होगी और अगले दिन सात बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09730 बान्द्रा टर्मिनस-दुर्गापुरा (जयपुर) स्पेशल रेलसेवा दिनांक आठ दिसंबर को बांद्रा टर्मिनस से दस बजे रवाना होकर अगले दिन 05.30 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में बनस्थली निवाई,सवाई माधोपुर, कोटा,रामगंज मंडी, भवानी मंडी, नागदा,रतलाम, वडोदरा, भरूच, सूरत, नवसारी, वलसाड, वापी, पालघ एवं बोरीवली स्टेशन पर रुकेगी। इस गाड़ी में कुल 23 डिब्बे होंगे।

इसी तरह, गाड़ी संख्या 04725 हिसार-खडकी स्पेशल रेलसेवा सात दिसंबर को हिसार से 05.50 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 12.40 बजे पहुंचेगी। यह इसी दिन अपरान्ह एक बजे रवाना होकर सोमवार को 10.45 बजे खडकी पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 04726 खडकी-हिसार स्पेशल रेलसेवा आठ दिसंबर को खडकी से 17.00 बजे रवाना होकर नौ दिसंबर को जयपुर स्टेशन पर 14.40 बजे आगमन व 14.50 बजे रवाना होकर 22.25 बजे हिसार पहुंचेगी। यह रेल सेवा मार्ग में सादुलपुर, लोहारू, चिड़ावा, झुंझुनू, नवलगढ़, सीकर, रींगस, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, भवानी मंडी, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, भरूच, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, कल्याण, लोणावला व चिंचवड स्टेशन पर रुकेगी। इस ट्रेन में कुल 22 डिब्बे होंगे।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दूदू क्षेत्र को दी विकास की नई सौगातें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को दूदू विधानसभा क्षेत्र के चकवाड़ा, मौजमाबाद और बोराज में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की देवतुल्य जनता से आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं और कल्याणकारी नीतियों की विस्तृत जानकारी साझा की।

डॉ. बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और आधारभूत संरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के संतुलित और समग्र विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने बताया कि सरकार का प्रत्येक निर्णय जनहित और जनता के उत्थान को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है, जिससे प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति ने जनप्रतिनिधियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर जयपुर जिला प्रमुख श्रीमती रमा चौपड़ा सहित क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से दूदू क्षेत्र में विकास की गति और अधिक तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

शेखावाटी इलाके में शीतलहर जारी

जयपुर। सर्द हवाओं और शीतलहर से प्रदेश में सर्दी ने ठिठुराया

जयपुर। प्रदेश में सर्दी अब अपने तेवर दिखाने लगी है। उत्तर से आ रही बर्फीली हवा से राजस्थान में तेज और ठिठुरन भरी सर्दी शुरू हो गई है। शेखावाटी के इलाकों में रात का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। ओस जमने से खेतों में पाला पड़ना शुरू हो गया है। इससे फसलों को नुकसान हो रहा है। बीते दिन शुक्रवार को राज्य के 15 से ज्यादा शहरों में ही तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज हुआ। जयपुर में इस सीजन पहली बार तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले कुछ दिन इसी तरह कड़ाके की सर्दी का अलर्ट जारी किया है। सर्द हवाओं और तेज सर्दी के कारण दिन में सूरज की चमक भी फीकी पड़ने लगी है। दिन में तेज धूप के बावजूद तापमान कम दर्ज हो रहा है। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि एक नए कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से आगामी दो-तीन दिन राज्य के कुछ भागों में आंशिक बादल छाए रहने तथा राज्य में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने की प्रबल संभावना है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री बढ़ोतरी होने व शीतलहर से राहत मिलने की प्रबल संभावना है। आगामी तीन-चार दिन शेखावाटी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान चार डिग्री से ऊपर तथा शेष अधिकांश भागों में 10 डिग्री से ऊपर (सामान्य के आसपास) दर्ज होने हो सकता है।

देश का नागर विमानन क्षेत्र 'पैरालिसिस' जैसी स्थिति में : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश नागर विमानन क्षेत्र 'पैरालिसिस' जैसी स्थिति में है और केंद्र सरकार को हालात सामान्य करने की ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, देश में नागर विमानन क्षेत्र इस वक्त 'पैरालिसिस' (निष्क्रियता) जैसी स्थिति में आ गया है। पूरे देश में हवाई यात्री परेशान हैं और बेबस महसूस कर रहे हैं। उड़ानें रद्द हो रही हैं, तो कहीं बच्चे भूखे और थके हुए हैं, महिलाएं, वृद्ध, बीमार लोग लाचार महसूस कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विमानन क्षेत्र में जारी गड़बड़ियों के संबंध में लगातार सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे थे लेकिन सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। आज सरकार की इस लापरवाही का खामियाजा पूरा देश भुगत रहा है। उन्होंने लिखा, केंद्र सरकार को अपने तमाम संसाधन लगा कर स्थिति को सामान्य करने की ओर अविलंब ध्यान देना चाहिए एवं स्पष्टीकरण देना चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो गई।

मतदान का अधिकार : जनतंत्र का आधार विषय पर युवा विचार गोष्ठी कल

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किये जाने वाले पंचायत चुनाव एवं नगरीय निकाय मतदाता जागरूकता अभियान के तहत युवाओं में मतदान के महत्व और लोकतांत्रिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मतदान का अधिकार : जनतंत्र का आधार विषय पर एक युवा विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि यह नवाचार गोष्ठी 8 दिसंबर (सोमवार) को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जे.एल.एन. मार्ग स्थित महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज़ के सेमिनार हॉल में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की इस पहल का उद्देश्य युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ना तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को रेखांकित करना है। इस दौरान युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया जाएगा। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज, जयपुर एवं कनोड़िया महिला पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। राजेश्वर सिंह ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चलाई जा रही यह पहल युवाओं को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ तथा जागरूक एवं जिम्मेदार मतदाता बनने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। विभाग की ओर से यह नवाचार युवाओं को जनतंत्र की अवधारणा से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों से संवाद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार सुबह यहां जवाहर सर्किल पार्क पहुंचे और वहां सैर के लिए निकले लोगों से संवाद किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने शहर के इस प्रमुख पार्क में सुबह सैर किया। इस दौरान उन्होंने पार्क में मौजूद लोगों से संवाद किया और 'फिट इंडिया-फिट राजस्थान' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने जवाहर सर्किल स्थित मन्दिर में दर्शन करके प्रदेश की खुशहाली की कामना की। शर्मा ने आमजन के साथ जूस पीने के दौरान चर्चा भी की। बाद में मुख्यमंत्री ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके उन्हें नमन किया।

प्रवासी राजस्थानी दिवस पावणों के स्वागत के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित किए जा रहे 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' कार्यक्रम की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। 10 दिसंबर को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए राजधानी जयपुर में ग्रीनरी, सजावट और साफ-सफाई के कार्य किए जा रहे हैं। राजस्थान मेहमानों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है, वहीं देश-विदेश से आने वाले प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों में भारी उत्साह है। अब तक करीब 8,700 से अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल (जेईसीसी, सीतापुरा) पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मुख्य समारोह, सेक्टोरल सेशन के लिए निर्धारित हॉल के साथ ही राज्य सरकार की उपलब्धियों को दर्शाने के लिए बनाए जा रहे प्रगति पथ का भी निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को अगले 48 घंटे में पूरा कर लिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री लगातार तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं, साथ ही, प्रवासी राजस्थानियों से वार्ता कर उन्हें आमंत्रित भी कर रहे हैं।

एसीएस शिखर अग्रवाल ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए प्रदेश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। साथ ही, इस प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक नई नीति भी बनाई गई है। उद्योग एवं निवेश संवर्धन ब्यूरो के आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आयोजन स्थल पर राजस्थान की संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित किया गया है, ताकि प्रवासी राजस्थानी अपनापन महसूस करें और यहां से अच्छी यादें लेकर लौटें।

इस दौरान जेडीए आयुक्त श्रीमती आनन्दी, रीको एमडी श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार, राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा, नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, बीआईपी के अतिरिक्त आयुक्त जुगल किशोर मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पूजा

उप मुख्यमंत्री दीयाकुमारी और शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ ने शनिवार को जूना खेड़ापति मंदिर पहुंचकर शनि महाराज का तेलाभिषेक किया। इसके बाद दोनों जनप्रतिनिधियों ने हनुमानजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

राजस्थान को देश का माइनिंग हब बनाने में प्रवासी राजस्थानियों की प्रमुख भूमिका : रविकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान को देश का माइनिंग हब बनाने में प्रवासी राजस्थानियों (एनआरआर) की प्रमुख भूमिका भी तय की जाएगी। इसके साथ ही क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन, खनन और प्रसंस्करण में खनिज क्षेत्र के जाने माने विशेषज्ञों, उद्यमियों, एकेडेमेशियन्स और सरकार के बीच सकारात्मक सहभागिता होगी। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि 10 दिसंबर को आयोजित प्रवासी राजस्थानी दिवस में माइनिंग सेक्टर के सेक्टोरल सेशन को उपयोगी और बहुआयामी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सेक्टोरल सेशन के दौरान प्रवासी राजस्थानियों, राज्य के विशेषज्ञों के साथ ही देश के नामी गिरामी विशेषज्ञों की सहभागिता तय की गई है ताकि प्रवासी राजस्थानियों की राजस्थान के खनन क्षेत्र में निवेश और सहभागिता में सक्रिय भागीदारी हो सके। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि खनिज संपदा और क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक खनिजों की उपलब्धता में राजस्थान देश-दुनिया के खनिज मानचित्र में प्रमुख स्थान रखता है। ऐसे में प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान के माइनिंग क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया जाना आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए 10 दिसंबर के प्रवासी राजस्थानी दिवस पर माइनिंग सेक्टर का अलग से एक सत्र रखा गया है। इसमें प्रवासी राजस्थानियों के सामने राजस्थान की खनिज संपदा और बेहतर संभावनाओं की तस्वीर रखी जाएगी ताकि अधिक से अधिक प्रवासी राजस्थानी राजस्थान की धरती से जुड़कर निवेश, रोजगार और प्रदेश के आर्थिक विकास में भागीदार बन सकें।

आत्म निर्भर भारत के लिए राजस्थान की क्रिटिकल मिनरल संभावनाओं की अनलॉकिंग पर आयोजित इस सत्र को उपादेय और बहुआयामी बनाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों के साथ ही हैदराबाद, ओडिशा, धनबाद सहित अन्य विशेषज्ञ, भारतीय भू सर्वेक्षण विभाग, ऑयल इंडिया, एटोमिक मिनरल डिविजन के विशेषज्ञ व औद्योगिक प्रतिष्ठानों के विशेषज्ञों की सक्रिय सहभागिता तय की गई है।

होम गार्ड्स भगवद गीता के 'निष्काम सेवा' के संदेश को अपनाते हैं : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि होम गार्ड के जवान भगवद गीता के निष्काम सेवा के संदेश को अपनाते हैं क्योंकि वे ईमानदारी और बिना किसी उम्मीद या स्वार्थ के काम करते हैं। उन्होंने यहां 63वें होम गार्ड्स और नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह में कहा कि यह बल प्राकृतिक आपदाओं, भीड़ प्रबंधन, यातायात प्रबंधन और मुश्किल हालात में नागरिकों के साथ खड़ा रहता है और पुलिस का भी साथ देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, होम गार्ड शब्द का मतलब मध्यप्रदेश के 8.5 करोड़ लोगों के रक्षक हैं। आजादी के बाद जब भारत अपना नागरिक सुरक्षा ढांचा बना रहा था, तब बल ने भरोसे और सेवा की ढाल दी है। बाढ़, आग या बड़े हादसों के समय लोग सबसे पहले होम गार्ड्स के बारे में सोचते हैं क्योंकि ये जवान मुश्किलों के सामने चट्टान की तरह खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि होम गार्ड सीमा पर तैनात सैनिक जितना ही जरूरी है, क्योंकि वे अंदरूनी सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता के लिए जरूरी हैं। यादव ने कहा, 2014 में एसडीआरएफ के बनने के बाद से होम गार्ड, नागरिक सुरक्षा और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने मिलकर आपदा प्रबंधन को मज़बूत किया है। उन्होंने कहा कि बल ने पिछले साल 5,075 लोगों को बचाया और इस साल बाढ़ के दौरान सैकड़ों लोगों को बचाया।

जयशंकर जुबिन मामले के आरोपियों के विदेश मंत्रालय से 'संबंध' पर स्थिति स्पष्ट करें : गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिब्रूगढ़/गुवाहाटी/भाषा। मुख्य विपक्षी कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में एक प्रमुख आरोपी के साथ उनके मंत्रालय के ''संबंध'' को स्पष्ट करने का आग्रह किया है।

गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के इस दावे पर भी जयशंकर से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की कि सिंगापुर में जुबिन की मौत एक हत्या की घटना थी।

जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों मृत्यु हो गई थी। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल (एनई आई एफ), 2025 में भाग लेने के लिए सिंगापुर गए थे।

असम पुलिस की एसआईटी ने इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत भी शामिल हैं।

गोगोई ने बृहस्पतिवार को जयशंकर को लिखे पत्र में कहा कि इस महोत्सव का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग के सहयोग से किया गया था।

कांग्रेस नेता ने महंत की ओर इशारा करते हुए कहा कि पुलिस की चल रही जांच में एक आरोपी '' महोत्सव के आयोजन से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ'' था।

गोगोई ने आरोप लगाया कि आरोपी एक संगठन चलाता है, जिसे उत्सवों और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए जयशंकर के मंत्रालय से कई लाख रुपए का भुगतान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा, ''विदेश मंत्रालय और एक ऐसे व्यक्ति के बीच संबंध है जो असम के मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए हत्या के आरोप में एक आरोपी है, बेहद परेशान करने वाला है।''

गोगोई ने कहा, ''मैं यह बात आपके संज्ञान में ला रहा हूं और मंत्रालय से अनुरोध करता हूं कि वह असम के मुख्यमंत्री के दावे के संबंध में एक बयान जारी करे और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ नेतृत्व और मामले के एक आरोपी के बीच संबंध को भी स्पष्ट करें।''

असम की महिलाएं सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैलाकांडी (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राज्य की महिलाओं से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

वह बराक घाटी में हैलाकांडी और धोलाई विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान (एमएमयू) की लाभार्थी महिलाओं को शुरुआती मदद का चेक वितरित करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस पहल के तहत हैलाकांडी से कुल 17,774 लाभार्थियों और धोलाई से 20,045 लाभार्थियों को 10-10 हजार रुपए के चेक दिए गए।

मुख्यमंत्री ने हैलाकांडी में चेक वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना राज्य में महिलाओं के सतत आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों में 50 निर्वाचन क्षेत्रों में चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे राज्य की 12 लाख महिलाओं को लाभ हुआ।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे भारत में तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने की परिकल्पना की है।

असम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में 40 लाख महिलाएं चार लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी हैं और सरकार का लक्ष्य इस पहल के माध्यम से उनमें से प्रत्येक को 'लखपति बाइदेउ' (असमी में बड़ी दीदी को 'बाइदेउ' कहते हैं) के रूप में बदलना है।

लाभार्थियों से इस निधि का सर्वोत्तम उपयोग करने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि 10 हजार रुपए का चेक तो केवल शुरुआत है। उन्होंने कहा, ''यदि महिलाएं इस धनराशि को अपने स्व-सहायता समूहों में जमा करती हैं, तो एक लाख रुपए का पूंजी कोष तैयार किया जा सकता है, जिसका उपयोग समूह-आधारित उद्यमों, व्यक्तिगत पहल या मौजूदा पारिवारिक व्यवसायों के विस्तार के लिए किया जा सकता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''छह महीनों में धन उपयोग का आकलन करने के बाद, लाभार्थियों को अगले चरण में 25,000 रुपए और 50,000 रुपए की सहायता के लिए पात्र माना जाएगा।''

हम कड़ा संदेश देना चाहते हैं कि उच्चतम न्यायालय आम लोगों के लिए है : प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने उच्चतम न्यायालय आम आदमी के लिए होने का कड़ा संदेश देते हुए शनिवार को कहा कि लंबित मामलों का निश्चित समयसीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति आधारित शीघ्र फैसला उनकी प्राथमिकता होगी।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने यहां आयोजित 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट' में न्याय तक पहुंच का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि मुकदमेबाजी की लागत कैसे कम की जाए और मामलों के निर्णय के लिए एक उचित समय-सीमा कैसे निर्धारित की जाए।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता के बारे में पूछे गए सवाल पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शक्तियों के पृथक्करण के संवैधानिक दर्शन का उल्लेख किया और कहा कि संविधान ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की संबंधित भूमिकाओं को खूबसूरती से परिभाषित किया है, तथा यह सुनिश्चित किया है कि इनमें से कोई एक दूसरे के क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं करे।

सीजेआई ने कहा, ''मेरी पहली प्राथमिकता लंबित मामलों के लिये एक निश्चित समय-सीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति-आधारित शीघ्र निस्तारण की होगी। मैं सभी बकाया मामलों को समाप्त करने की बात नहीं कर रहा हूं। ऐसा कभी नहीं होगा। ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुकदमेबाजी एक सतत प्रक्रिया है। लोगों को न्यायिक प्रणाली पर भरोसा और विश्वास है।''

उन्होंने कहा, ''मामले तो दायर किए जाएंगे, लेकिन जो पुराने मामले हमारे सामने हैं, उनसे निपटने की जरूरत है और इसके लिए मध्यस्थता को शक्तिशाली परिवर्तनकारी उपाय के रूप में तलाशने की जरूरत है।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आने वाले दिनों में उच्चतम न्यायालय में कुछ सुधार होंगे, जिनमें कुछ मुकदमों को प्राथमिकता देना भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''मैं एक बहुत ही स्पष्ट और कड़ा संदेश देना चाहता हूं कि उच्चतम न्यायालय आम आदमी के लिए है और किसी भी सामान्य वादी को शीर्ष अदालत में पर्याप्त स्थान और समय मिलेगा। इसके लिए, मैं सूचीबद्ध किए जाने वाले मामलों की प्राथमिकता तय कर रहा हूं।''

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साथ ही कहा कि वह यह काम अकेले नहीं कर सकते और उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों ने इस संबंध में अपना पूरा सहयोग दिया है।

सीजेआई ने माना कि न्यायिक प्रणाली को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और उन्होंने 'डिजिटल अरेस्ट' और साइबर अपराधों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, ''इसलिए, नई चुनौतियां आती रहेंगी। सबसे पहले, हमें अपनी न्यायपालिका को अद्यतन करने की आवश्यकता है। हमें अपने न्यायिक अधिकारियों को नई चुनौतियों और उनसे निपटने के तरीकों के बारे में तैयार करना होगा।''

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मानव संसाधन के इष्टतम उपयोग और निष्पक्ष मूल्यांकन के बारे कहा कि संस्थान में योग्यता को मान्यता मिलनी चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका में विविधता के बारे में पूछे जाने पर कहा कि जिस तरह से समाज विकसित हुआ है और जिस तरह से देश आगे बढ़ा है, उसमें भारतीय न्यायिक प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन आया है।

जुबिन मौत मामले की जांच लगभग पूरी, 12 दिसंबर को दाखिल होगा आरोप पत्र : असम पुलिस

गुवाहाटी/भाषा। गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच लगभग पूरी हो गई है और 12 दिसंबर को आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। असम पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों मृत्यु हो गई थी। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''जांच लगभग पूरी हो चुकी है। आरोप पत्र में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।'' जुबिन मौत मामले की जांच कर रहे विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे गुप्ता ने कहा कि अब तक सात गिरफ्तारियां की गई हैं और 300 से अधिक गवाहों से पूछताछ की गई है। उन्होंने विस्तृत ब्योरा देने से इनकार करते हुए कहा कि आरोप पत्र दाखिल होने के बाद ही अधिक जानकारी प्रदान की जा सकेगी।

अयोध्या में नई मस्जिद परियोजना की शुरुआत संभवतः अप्रैल 2026 में होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। वर्ष 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के 33 साल बाद, धन्नीपुर गांव में नई मस्जिद परियोजना के लिए संभावित समय सीमा अप्रैल 2026 हो सकती है। इस परियोजना का काम देख रहे ट्रस्ट के प्रमुख ने यह जानकारी दी।

इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन (आईआईसीएफ) के अध्यक्ष जुफर फारूकी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यदि सब कुछ ठीक रहा और अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) मस्जिद के संशोधित ले आउट प्लान को मंजूरी दे देता है, तो मस्जिद परियोजना के लिए संभावित समय सीमा अप्रैल 2026 हो सकती है। मस्जिद के संशोधित ले आउट प्लान को हम दिसंबर के अंत तक जमा करने की उम्मीद कर रहे हैं।

हालांकि, मस्जिद परियोजना के आसपास के विवादों और आरोप-प्रत्यारोप के बावजूद, पांच साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मूल मस्जिद परियोजना के बारे में अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। पांच साल से अधिक समय पहले उच्चतम न्यायालय के आदेश पर राज्य सरकार ने मस्जिद के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की थी।

फारूकी ने कहा कि मस्जिद का पहला ले आउट प्लान अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा खारिज कर दिया गया था, लेकिन इससे पहले ही आईआईसीएफ ने समुदाय के विरोध के कारण इसे छोड़ने का फैसला किया था और एक अधिक पारंपरिक डिजाइन को अपनाने का फैसला किया था।

एडीए की मंजूरी मस्जिद निर्माण के लिए पहला महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन आईआईसीएफ के सामने अन्य ज्वलंत मुद्दे भी हैं, जिनमें धन्नीपुर स्थल पर पर्याप्त जमीन की कमी भी शामिल है।

फारूकी ने कहा,यह शुरुआती दिन हैं। हम आवंटित जमीन का उपयोग करना चाहते हैं, लेकिन यदि मस्जिद परियोजना के लिए अतिरिक्त जमीन हासिल करने में समस्या आती है, तो परियोजना को चरणबद्ध तरीके से अलग-अलग जगह पर भी पूरा करने की संभावना है।

सद्भावना रैली

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने के कथित प्रयासों के खिलाफ नारे लगाते हुए शनिवार को 'सद्भावना रैली'के तहत कोलकाता में उसी सड़क पर स्थित एक मस्जिद से मंदिर तक एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया। पार्टी ने लोगों से छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद के दिनों को वापस न लाने का आह्वान किया।

संवैधानिक मूल्यों को 'कुचलने' वाली ताकतों के खिलाफ लड़ने का समय : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शनिवार को कहा कि यह समय ''संवैधानिक मूल्यों को कुचलने वाली ताकतों के खिलाफ लड़ने का है।'' सपकाल ने साथ ही संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा परिकल्पित भारत के विचार को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

सपकाल डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मुंबई के दादर क्षेत्र में शिवाजी पार्क स्थित 'चैत्यभूमि' गये। उन्होंने कहा, ''डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान आज भी राष्ट्र का मार्गदर्शन कर रहा है। लेकिन कुछ ताकतें इन संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध उठ खड़ी हो रही हैं। संविधान की आकांक्षा के अनुरूप भारत के निर्माण के लिए इन ताकतों से लड़ना आवश्यक हो गया है।''

सपकाल ने कहा कि गुलामी और शोषण दुनियाभर के समाज पर कलंक थे और डॉ. अंबेडकर ने समानता और न्याय का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने गरीबों, वंचितों और शोषितों के लिए लड़ाई लड़ी और संविधान के माध्यम से समानता के बीज बोए।

एक मेट्रो स्टेशन का नाम डॉ. अंबेडकर के नाम पर रखने की मांग पर सपकाल ने आरोप लगाया, ''मेट्रो स्टेशनों के नाम उन उद्योगपतियों के नाम पर रखे गये हैं जो चुनावी बॉन्ड के जरिए सरकार को पैसे देते हैं। इसलिए यदि मांग उचित भी हो, तो भी भाजपा सरकार शायद इससे सहमत न हो।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि सार्वजनिक परियोजनाओं के नामकरण में उस क्षेत्र की विरासत को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अंबेडकर के लिए इंदु मिल में निर्माणाधीन स्मारक के पूर्ण होने में हो रही देरी को लेकर दावा किया, ''जिन परियोजनाओं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा लाभ मिलता है, उन्हें प्राथमिकता दी जाती है। समुद्र में शिवाजी महाराज का स्मारक और इंदु मिल में बाबासाहेब का स्मारक बनाने में जानबूझकर देरी की जा रही है।''

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि मुंबई के दादर इलाके में इंदु मिल में डॉ. अंबेडकर के भव्य स्मारक का निर्माण अगले साल छह दिसंबर तक पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।

नगालैंड को केवल हॉर्नबिल महोत्सव के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीमापुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि नगालैंड की सांस्कृतिक गहराई, शिल्प कौशल और उभरती आर्थिक ताकत राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर कहीं अधिक ध्यान देने योग्य है।

पूर्वोत्तर राज्य का तीन दिवसीय दौरा समाप्त करने से पहले दीमापुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से मुखातिब सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि नगालैंड को केवल हॉर्नबिल महोत्सव के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने कहा कि नगालैंड में वह जिन कार्यक्रमों में शामिल हुए, उन्होंने उन्हें एक अद्भुत अनुभव प्रदान किया और राज्य के लोगों, संस्कृति तथा विरासत में निहित अपार संभावनाओं से पर्दा उठाया। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक उत्सव नहीं है। नगालैंड के लोगों, उसकी समृद्ध संस्कृति और विरासत में जो क्षमता है, उससे दुनिया को अवगत होना चाहिए और उसका अनुभव करना चाहिए। कृपया नगालैंड को सिर्फ हॉर्नबिल उत्सव तक सीमित न रखें।''

अरेबिका और रोबस्टा बागानों का दौरा करने के बाद, सिंधिया ने नगालैंड के कॉफी क्षेत्र की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य की कॉफी की गुणवत्ता, ब्रांडिंग और पैकेजिंग की सराहना करते हुए इन्हें विश्वस्तरीय बताया।

मंत्री ने कहा कि वाणिज्य और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय नगालैंड के कॉफी उद्योग को मजबूती प्रदान करने के तरीकों पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है, जिसे मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने राज्य के प्रमुख विक्रय प्रस्तावों में से एक बताया है।

सिंधिया ने कहा, ''हमारे पास लगभग 11,000 हेक्टेयर जमीन पर खेती हो रही है। हम एक साझा प्रसंस्करण केंद्र, मूल्य संवर्धन और अपने कॉफी उत्पादकों को अधिक आय दिलाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।''

जर्मनी के खिलाफ गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होगी, सुधार जरूरी : जूनियर हॉकी कोच श्रीजेश

चेन्नई/भाषा। खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं।

भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

उन्होंने भाषा से कहा ,'' बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना , यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिये।''

भारत के महान गोलकीपर रहे श्रीजेश ने कहा ,'' अच्छे मूव को

फाइनल टच देना जरूरी है । हम लगातार आक्रमण कर रहे थे और मौके बना रहे थे । सर्कल के भीतर गेंद का नियंत्रण नहीं खोना चाहिये । कठिन टीमों के खिलाफ गोल करने के मौके ज्यादा नहीं मिलते हैं और जो भी मौके मिले, उन्हें भुनाना होगा।''

यह पूछने पर कि लीग चरण में आसान चुनौतियों से क्या क्वार्टर फाइनल में दबाव अधिक रहा , श्रीजेश ने कहा ,'' लीग दौर के मैच सभी के लिये लगभग बराबर होते हैं । कुछ टीमों को एक कठिन मैच मिल जाता है लेकिन हमने अपनी टीम का स्तर ऊंचा रखने की कोशिश की और उन्हें चुनौतियां दी कि इतने गोल से जीतना है। लेकिन नॉकआउट चरण में दबाव अलग होता है।'' भारत ने राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल किये और एक भी नहीं गंवाया था ।

कोच ने आगे कहा ,''क्वार्टर फाइनल से ज्यादा दबाव अब सेमीफाइनल में होगा । क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी । हम किसी टीम को हलके में नहीं ले सकते । जर्मन टीम पूरी तैयारी के साथ उतरेगी लिहाजा हमे अपने खेल में सुधार करना होगा ।''

असम में 11 करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, कई तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि राज्य में कई अभियानों के तहत 11 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये जाने के साथ संदिग्ध तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थों के खिलाफ यह कार्रवाई कार्बी आंगलोंग और कछार जिले में की गई।

मुख्यमंत्री शर्मा ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज असम में भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की जब्ती की गई। असम पुलिस लगातार ऐसे अभियान चला रही है जो असल जिंदगी के मादक पदार्थ आधारित धारावाहिक या वेब सीरीज जैसे लगते हैं। कार्बी आंगलोंग से लेकर सिलचर तक, मादक पदार्थ के तस्कर भागे-भागे फिर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि जब्त किए गए नशीले पदार्थों में याबा की गोलियां और अन्य अवैध वस्तुएं शामिल हैं।

भारत में याबा की गोलियां गैरकानूनी हैं क्योंकि इनमें 'मेथामफेटामाइन' पाया जाता है। याबा 'कंट्रोल्ड सब्सटेंस' अधिनियम की अनुसूची दो का पदार्थ है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने गिरफ्तार लोगों की संख्या नहीं बताई लेकिन सोशल मीडिया मंच पर उनके द्वारा साझा की गई तस्वीरों से पता चलता है कि मामले में कम से कम छह तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

सुविचार

ज्यादा खुश होने पर और ज्यादा दुखी होने पर निर्णय नहीं लेना चाहिए। क्योंकि यह दोनों परिस्थितियां आपको सही निर्णय नहीं लेने देती हैं।

ट्वीट

जोधपुर में जूना खेड़ापति मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि हेतु प्रार्थना की। इस अवसर पर शेरगढ़ विधायक श्री बाबू सिंह जी राठौड़ व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए मान-सम्मान के लिए आप सभी का आभार।

-दिया कुमारी

भारत रत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि। संविधान निर्माता के तौर पर देश के हर वर्ग को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार देने, समावेशी समाज की नींव रखने के लिए पीढ़ियां उनको सदैव याद रखेंगी।

-अशोक गहलोत

कहानी

अनोखा अनुभव

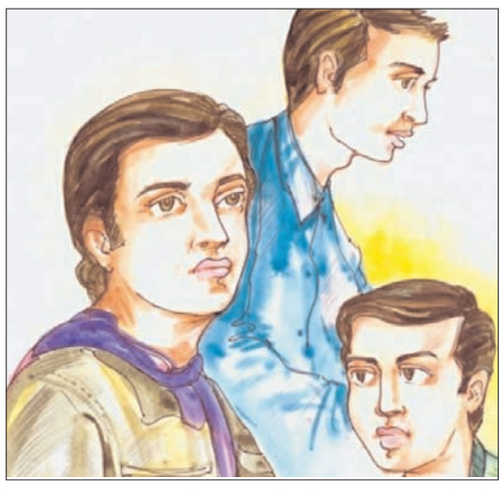

सन्दर के किनारे बसी कॉलोनी के अपने फ्लैट की बालकनी में बैठा राजन सड़क पर वाहनों और लोगों की आवाजाही देख रहा था। शाम होने में अभी वक़्त बाकी था। शहर में मानसून ने अभी दस्तक नहीं दी थी। लेकिन सुबह से ही शुरु हुई रुक रुककर बूंदाबांदी के साथ दिन भर बादलों की आवाजाही बनी रही थी। सुबह से ही धूप और बादलों के बीच बारिश का लुका छिपी का खेल चल रहा था। बहुत समय बाद तपती जमीन पर देर तक बरसती बारिश की बूंदें अमृत के समान थीं। सड़क पर पास ही की बस्ती के बच्चे बारिश के पानी में खूब भीगे थे। कुछ समय के लिए बारिश रुकने के बाद भी वो सड़क के पास जमा हुए पानी में खेल रहे थे। सड़क पर आवाजाही अपेक्षाकृत कम थी। तभी उसने देखा कि सड़क पर फैले बारिश के पानी के कारण एक दूध वाले की मोटरसाईकल फिसलने से उस पर बंधा दूध से भरा ड्रम खुलकर सड़क पर गिरने से दूध सड़क पर फैलने लगा था। उसी समय बस्ती के कुछ बच्चे और महिलाएं भागकर वहां आकर अपने - अपने बर्तनों में फैला हुआ दूध भरने लगे। दूध वाले के लिए सड़क पर गिरा वह दूध किसी भी काम का नहीं रहा था। बच्चों और उनकी मां के लिए दूध की महत्ता को देखकर राजन को एक पुरानी घटना याद आने लगी। काफी वक़्त बीत जाने के बाद भी उसकी यादाश्त में यह घटना ताजातरीन बनी हुई थी मानो कल ही की बात हो। अचानक उस घटना की यादें ,दृश्य और आवाजें उसके जहन में ताजा हो उठे और वह उन यादों के गलियारे में घूमने लगा।

लगभग सात वर्ष पहले कंपनी से मिलने वाली सालाना छुट्टियों में राजन अपनी पत्नी नेहा और आठ महीने के पुत्र सनी के साथ कुछ दिनों के लिए महानगर में घूमने के लिए गया था। वहां आए उन्हे चार दिन हो चुके थे। समन्दर के किनारे बसा वह खूबसूरत महानगर था। जिसकी अपनी भव्यता, दर्शनीय स्थल , चारों ओर हरियाली और लोगों की आधुनिक जीवनशैली आदि खुदबखुद पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते थे। वहां की भागती दौड़ती ज़िंदगी में लोगों के पास शायद समय की कमी ही रहती होगी। आर्थिक दृष्टि से मध्यम वर्गीय लोगों तक के रुकने लायक होटल के एक कमरे में वह ,नेहा और सनी के साथ ठहरा था। होटल में खाने पीने की व्यवस्था ढंग से नहीं होने के बाद भी कमरे के किराये और वहां की सफाई को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वहीं रुकने का फैसला किया था। यहां तक कि नाश्ता ,खाना और सनी के पीने के लिए दूध भी रुम बॉय को कहकर बाहर से मंगवाना पड़ता था। होटल का जनरेटर भी अचानक खराब हो जाने से गर्मी से वो परेशान हो गए थे। जैसा उन्हे बताया गया था, उन दिनों महानगर का मौसम अमूमन इतना गर्म नहीं होता जितना उस समय था।

उस समय दो दिनों से पशुपालकों और किसानों की हड़ताल और सप्लाई बंद होने के कारण महानगर में दूध ,फल और सब्जी की कमी होने से इनकी कीमतें मानो आसमान को छूने की ओर बढ़ने लगी थीं। पशुपालकों का कहना था कि बढ़ती महंगाई से पशु चारे की कीमत तो बाजार में तेजी से बढ़ रही थी लेकिन उतनी ही तेज से दूध की कीमत नीचे गिर रही थी। गांव के पशुपालकों से शहर और महानगर के बड़े डेयरी संचालक दूध बारह रुपये से पंद्रह रुपये प्रति लीटर की कीमत से खरीदकर अपने ग्राहकों को पैंतीस रुपये से चालीस रुपये प्रति लीटर की कीमत से बेचते हैं। इससे गांवों से शहर आने वाले दूध के व्यवसाय पर संकट आने से विरोध के रुप में दूध ,फल और सब्जियों की शहर में सप्लाई बंद कर दी थी।

पशु पालक स्थानीय प्रशासन के मुख्यालय पर प्रदर्शन कर राज्य सरकार से दूध का न्यूनतम मूल्य निर्धारित कर उन्हें उनका हक दिलाने की मांग कर रहे थे। हड़ताल के कारण दो दिनों में ही स्थिति विकट हो गई थी। पशुपालक आमजनता तक दूध पहुंचाने की बजाय अपनी मांगें मनवाने के लिए प्रशासन पर दबाव बनाते हुए सड़कों पर दूध ढोल रहे थे। सड़कों पर दूध को इस तरह बहाना किसी की भी समझ से परे था। इस तरह का व्यवहार जिससे आमजन को असुविधा हो किसी भी बात का हल नहीं था। दूध की ज्यादातर दुकानों के दो दिन से ताले ही नहीं खुले थे। कुछ खुली दुकानों ने कोल्ड स्टोर में रखा दूध सप्लाई किया। देखते ही देखते बाजार में सब्जियां और दूध गायब हो गए थे। कहीं पर मिल भी रहे थे तो कई गुना ज्यादा कीमत पर मिल रहे थे।

होटल में खाने की सब्जी और दूध चाय की कीमत मानो आसमान छूने लगी थी। ये हालात ज्यादा बिगड़ने की संभावना को देखते हुए उसे उस बार यहां आने का कार्यक्रम बनाने पर खुद पर गुस्सा आने लगा था। एक तरफ तो उमस भरी गर्मी कम होने का नाम नहीं ले रही थी, वहीं दूसरी तरफ दूध,सब्जी और फल वालों की बेमियादी हड़ताल ने इनकी कमी और कई गुना ज्यादा बढ़ी कीमतों ने उसको और परेशान कर दिया था। बहुत ज्यादा पैसा खर्च होने से उसका खर्च का बजट ही गड़बड़ाने लगा था। हालात तो यहां तक बिगड़ गए थे कि सनी के पीने के लिए भी कई बार कई गुना ज्यादा कीमत पर भी दूध नहीं मिलता था। एक रात को सोते समय वह अपना कार्यक्रम बदल कर वापिस अपने शहर लौटने का विचार कर लिया था।

सुबह उठकर राजन ने हालात को देखते हुए नेहा की शाम की वापिस अपने शहर चलने के बारे में बताया। अपनी सहमति देते हुए वह भी दिन भर में जितना घूमना संभव हो सकता था उसके लिए चलने के लिए तैयार थी। उस दिन मौसम का मिजाज सुबह कुछ बदलने और तेज हवा चलने के बावजूद भी दोपहर से पहले ही सूरज जमीन पर आग बरसाने लगा था। गर्मी और लू से लोगों को राहत नही मिल पा रही थी। लू के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे थे। पसीना-पसीना कर देने वाली गर्मी और बिजली की कटौती ने सभी का जीना दुश्वार कर दिया था। मानसून आने से पहले गर्मी से राहत पाने के लिए बहुत दिनों से सभी जल्द बारिश होने की प्रार्थना कर रहे थे। राजन ने रुम बॉय को दूध की कीमत से कई गुना ज्यादा पैसे देकर किसी तरह सनी के लिए दो बोतल दूध की व्यवस्था करी और अपने तय कार्यक्रम के अनुसार महानगर में घूमने के लिए होटल से चल दिए।

असीमित विस्तार लिए समन्दर के किनारे घूमते हुए उनको दोपहर हो गई थी। दोपहर बाद ही आसमान में काले घने बादल छा गए थे। कुछ ही देर में बारिश भी शुरु हो गई जिसकी किसी को भी उम्मीद नहीं थी लेकिन जिसके होने की प्रार्थना सभी कर रहे थे। लोग गर्मी से राहत मिलने से खुश हो गए थे। इस बेमौसम बारिश के लिए महानगर के लोगों ने अपने बचाव के साधन की कोई व्यवस्था नहीं करी थी। समन्दर के किनारे घूमते उसके साथ और लोग भी बारिश से बचने के लिए सुरक्षित जगह ढूंढने में इधर-उधर देख रहे थे। समन्दर के किनारे बड़े -बड़े होटलों में बरसात रुकने तक कुछ समय के लिए आश्रय की उनको इजाजत नहीं मिली । देखते ही देखते मूसलाधार बारिश शुरु हो गई थी। उन्होंने देखा कि समन्दर के किनारे सड़क के दूसरी ओर कुछ दूरी पर बसी झुग्गी झोपड़ी की बस्ती के बाहर ही टीन शेड की बनी एक बड़ी गुमटीनुमा दुकान थी। नेहा अपनी साड़ी के पल्लू से सनी को ढककर किसी तरह तेज बारिश से उसे बचाते हुए तेज कदमों से चलते हुए राजन के साथ उस दुकान में आश्रय के लिए चली गई। रास्ते से गुजरते कुछ लोग तेज बारिश से बचने के लिए बस्ती की झोपड़ियों में भी चले गए थे। बस्ती के लोगों ने किसी को भी वहां आने से मना नहीं किया।

यह अव्यवस्थित सी एक दुकान थी जहां चाय और स्नैक्स मिलते थे। स्नैक्स के नाम पर लोहे की एक पुरानी अलमारी में लोकल ब्रांड के बिस्किट, टोस्ट और नमकीन थे। एक टेबल पर एक ओर रखे गैस चूल्हे पर दुकानदार चाय और मौसम को देखते हुए कड़ाई में पकोड़े भी बना रहा था। दुकान में बैठने के लिए किनारे पर रखी लोहे की चार बेंच थी जिस पर लोग बैठे हुए थे। बीच में खाली जगह पर एक गोल टेबल रखी थी। प्लास्टिक के कुछ स्टूल भी पड़े थे। उसके आसपास भी लोग खड़े हुए थे । पीने के पानी के लिए अलग से कैम्पर रखे हुए थे। बोतल बंद पानी उसके पास नजर नहीं आ रहा था। बारिश से बचने के लिए कुछ लोग वहां खड़े भी थे। दुकान के बाहर खड़े वाहन और वहां अंदर मौजूद लोगों को देखकर लगता था कि ज्यादातर लोग वहां केवल बारिश से बचने के लिए ही आए थे ,रोज आने वाले ग्राहक नहीं थे। दुकान की व्यवस्था को देखकर लगता था कि वहां दुकानदार और वहां काम करने वाला एक छोटा लड़का ही सारे काम करते थे। राजन और नेहा को देखकर वहां एक बेंच पर बैठे कुछ लोग खड़े हो गए और उन्हे बैठने के लिए कहा। सरसरी निगाह से देखने पर ही राजन और नेहा को वह जगह बिल्कुल पसंद नहीं आई। दुकान में चारों तरफ एक अजीब सी गन्ध आ रही थी। कोनों में मक्खियां भिनभिना रहीं थीं।लेकिन उस समय मजबूरी में उनके पास कोई और विकल्प भी नहीं था। छत की जगह लगे टीनशेड पर गिरती तेज बारिश की बूंदें अलग संगीत का प्रभाव पैदा कर रही थीं। दुकान के भीतर कच्ची जमीन पर से गुजरते बारिश के पानी के साथ कचरे से भी अपने पैरों को बचाने की लोग असफल कोशिश कर रहे थे। वहां खड़े लोगों और दुकानदार को राजन और नेहा की आपस में बातचीत और व्यवहार से लग गया था कि वे वहां खुद को सहज महसूस नहीं कर रहे थे। बारिश के कारण वहां आश्रय लिए कुछ लोग,भले मजबूरी ही सही, मौसम को देखते हुए दुकानदार से खरीदकर चाय पी रहे थे और कुछ लोग पकोड़े भी खा रहे थे। ज्यादा बिक्री की उम्मीद होने के कारण दुकानदार के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही थी। उसने किसी को भी बारिश से बचने के लिए वहां आकर आश्रय लेने के लिए मना नहीं किया और न ही किसी को वहां कुछ भी खाने पीने के लिए बाध्य किया। उसे इस बात की कोई फिक्र नहीं थी कि उसकी दुकान में मौजूद कोई व्यक्ति खाने या पीने के लिए उससे कुछ खरीद रहा भी था या नहीं। दुकानदार और लड़का पास की बस्ती में ही रहने वाले लग रहे थे ।

बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। बाहर कुछ दूरी के बाद दिखाई ही नहीं दे रहा था। सड़क पर वाहनों और लोगों की आवाजाही थम सी गई थी। राजन को नहीं पता था कि उन्हे वहां कितनी देर और रुकना पड़ेगा ? लेकिन इतनी बारिश में नेहा और सनी के साथ होटल जाना उसे किसी भी तरह से ठीक नहीं लग रहा था। उसने वहीं बैठकर बारिश रुकने का इंतजार करना उचित समझा। कुछ देर तक तो सनी नेहा की गोदी में सोता रहा लेकिन बारिश में भीगने और मौसम के अचानक बदलने के कारण सनी को छींकें आने लगीं और खांसने लगा।उसके लगातार खांसने की आवाज सुनकर दुकानदार कांच के एक गिलास में कैम्पर में से पानी लेकर आया। नेहा ने उसको मना कर दिया। सनी को बोतल बंद पानी नहीं होने और वहां का माहौल देखते हुए वह पानी नहीं पिलाना चाहती थी। उसकी मानसिकता को समझते हुए दुकानदार ने पानी के कैम्पर की ओर इशारा करते हुए उसे सनी को पानी पिलाने के लिए कहा। राजन के कहने से नेहा ने सनी को पानी पिला दिया।पानी पीने के बाद सनी ने खांसना बंद कर दिया और फिर से सो गया। वो दोनों बारिश रुकने का इंतजार करने लगे।

कुछ देर बाद ही सनी नींद से जागा और जोर- जोर से रोने लगा। नेहा के प्यार से पुचकारने और कोमल हाथों से थपथपाने के बाद भी वह चुप नहीं हो रहा था। राजन और नेहा की सनी को चुप कराने की हर कोशिश असफल रही। उन्हे सनी के रोने का कारण समझ नहीं आ रहा था। सनी को रोता देख दुकानदार ने नेहा को उसे दूध पिलाने के लिए कहा। नेहा ने जब अपने बैग से दूध की दोनों बोतलें निकाली तो दोनों बोतलें खाली थीं। नेहा को याद ही नहीं रहा कि वह सनी को दूध की दोनों बोतलें पिला चुकी थी। अन्यथा वह समय पर उनमें फिर से दूध डलवा देती। यह देखकर राजन और नेहा के चेहरे पर चिंता और परेशानी की लकीरें दिखाई देने लगीं।

उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इस तेज बारिश में दूध की व्यवस्था कैसे होगी ? बारिश के बावजूद अगर राजन दूध लेने जाता भी तो कहां ? क्या वह इस दुकानदार को दूध के लिए कहे ? कहीं इसने दूध के लिए मना कर दिया तो वह सनी के लिए कहां से व्यवस्था करेगा ? इस तरह के कई सवाल उसे परेशान कर रहे थे। उसके लिए तो यह इलाका नया था और हड़ताल के कारण दूध मिलने की संभावना भी न के बराबर थी। उनकी परेशानी को भांपकर दुकानदार ने अपने लड़के को घर से दूध लाने के लिए कहा। तेज बारिश में भीगता हुआ लड़का कुछ ही देर में ढके हुए एक बड़े जग में दूध ले आया। दुकानदार ने खुद गर्म पानी से दोनों बोतलें साफ करीं और दूध से भर दीं। बाकी का दूध उसने अपने चाय के दूध के भगोने में डाल दिया। दूध के लिए भी नेहा ने जब मना किया तो राजन ने उसे समझाया और सनी को दूध पिलाने के लिए कहा। बोतल से दूध पीते ही सनी चुप हो गया और कुछ देर में बाद ही आसपास की आवाजों और बारिश से बेखबर वह फिर से सो गया। सनी के रोने का कारण उसका भूखा होना था और उसका उपाय हो चुका था।

राजन और नेहा ने दिल से दुकानदार को शुक्रिया अदा किया और उससे दूध के पैसे पूछे।यह सुनकर दुकानदार की आंखें नम हो गईं और वह बोला , साहब, हम लोग गरीब दुकानदार जरुर हैं लेकिन इंसान भी हैं। हम हर बेची हुई चीज की कीमत के पैसे लेते हैं। लेकिन मैं बच्चे के दूध के पैसे नहीं लेता। मेरे अंदर इंसानियत अभी जिंदा है और मेरी संवेदनाएं भी मरी नहीं। आपको यदि कोई सामान खुद के लिए यहां से लेना हो तो उसके पैसे मैं आपसे जरुर लूंगा। यह कहकर वह अपने काम में लग गया। यह सुनकर राजन का मन आत्मग्लानि से भर गया। वह चाहता था कि उनके व्यवहार के कारण दुकानदार उन्हे उलाहना दे और खरी खोटी सुनाए। लेकिन उस दुकानदार के दिल में किसी तरह का कोई विकार नहीं था।

कुछ ही देर में बाहर बारिश थम गई थी। लेकिन राजन के मन में कई तरह के सवालों के बादल उमड़ने लगे थे। एक ओर तो सड़कों पर दूध ढोलते गांवों के पशुपालक और बड़े होटलों में कई गुना ज्यादा कीमत पर दूध बेचते संवेदनहीन लोग वहीं दूसरी ओर यह गरीब दुकानदार जो इंसानियत की जीती जागती मिसाल था। उसकी आँखों में धुंध सी छाने लगी थी जो न जाने कब आंसू बनकर ढुलक पड़ती। उसने हिचकिचाते हुए अपने भीगे स्वर से धन्यवाद कहते हुए दुकानदार से हाथ मिलाया। दुकानदार की आंखों में उनके प्रति अपार स्नेह देख उसका वजूद ही पिघलने लगा। वह अंदर तक भीग गया और उसकी आँखों में आंसू अटक गए थे। नेहा की आवाज सुनकर राजन अचानक वर्तमान में लौटा। उसने देखा कि आसमान पर से बादल छंट चुके थे । बाहर शाम गहरा गई थी। पश्चिम में डूबता सूरज दूर से मानो समन्दर में डूबता नजर आ रहा था। खामोश समन्दर की लहरों पर डूबते सूरज की फैली सुनहरी रौशनी से अनोखा दृश्य दिखने लगा था । वह भी एक अनोखे अनुभव की यादों में फिर से डूब कर बाहर आ गया था । उस दुकानदार का चेहरा राजन की आँखों के सामने उस वक़्त भी घूम रहा था।

सुधीर केवलिया

फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

बेसुरा होना कठिन है

एक संगीतमय आध्यात्मिक आयोजन से लौट रहे थे। वृंद के एक युवा गायक ने किसी संदर्भ में एकाएक कहा, गुरुजी, बेसुरा गाना बहुत कठिन है। उसके इस वाक्य पर पूरे वृंद में एक ठहाका उठा। कुछ क्षण तो मैं भी उस ठहाके में सम्मिलित रहा पर बाद में ठहाका अंतर्चेतना तक ले गया और चिंतन में बदल गया। इतनी सरलता से कितनी बड़ी बात कह गया यह होनहार युवक कि बेसुरा होना कठिन है।

जीवन जीने के लिए मिला है। जीने का अर्थ हर श्वास में एक जीवन उत्पन्न करना और उस श्वास को जी भर जीना है। श्वास और उच्छवास भी मिलकर एक लय उत्पन्न करते हैं, अर्थात साँसों में भी सुर है। सुर का बेसुरा होना स्वाभाविक नहीं है। वस्तुत: 'बेसुरा होना कठिन है', इस वाक्य में अद्भुत जीवन-दर्शन छिपा है। इस दर्शन का स्पष्ट उद्घोष है कि जीवन सकारात्मकता के लिए है।

स्मरण आता है कि जयपुर से वृंदावन की यात्रा में एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से न्यायप्रणाली की विसंगतियों को लेकर संवाद हुआ था। उन्होंने बताया कि न्यायालय में आया हर व्यक्ति प्रथमदृष्टया न्यायदेवता के लिए निर्दोष है। उसे दोषी सिद्ध करने का काम पुलिस का है, व्यवस्था का है ।

महत्वपूर्ण बात है कि न्यायदेवता हरेक को पहले निर्दोष मानता है। इसका एक अर्थ यह भी है कि मनुष्य का मूल सज्जनता है। यह हम ही हैं जो भीतर के सज्जन को दुर्जन करने के अभियान में लगे होते हैं।

जीवन का अभियान सुरीला है, जीवन गाने के लिए है। नदी को सुनो, लगातार कलकल गा रही है। समीर को सुनो, निरंतर सरसर बह रहा है। पत्तों को सुनो, खड़खड़ाहट, एक स्वर, एक लय, एक ताल में गूँज रही है। बूँदों की टपटप सुनो, जो बरसात के साथ जब नीचे उतरती हैं तो एक अलौकिक संगीत उत्पन्न होता है। बादल की गड़गड़ाहट हो या बिजली की कड़कड़ाहट, संगीत का रौद्र रस अवतरित होता है। कभी रात्रि के नीरव में रागिनी का दायित्व उठाने वाले कीटकों के स्वर सुनो। बरसात में मेंढक की टर्र-टर्र सुनो। कोयल की 'कुहू' सुनो, मोर की 'मेहू' सुनो। प्रकृति में जो कुछ सुनोगे वह संगीत बनकर कानों में समाएगा। शून्य में, निर्वात में जो कुछ अनुभव हो रहा है, वह संगीत है। तुम्हारे मन में जो गूँज रहा है, उसकी अनुगूँज भी संगीत है। हर तरफ राग है, हर तरफ रागिनी सुनाई पड़ रही है। यह कल्लोल है, यह नाद है, यही निनाद है।

इन सुरों को हम भूल गए। हमारे कान आधुनिकता और शहरीकरण के प्रदूषण से ऐसे बंद हुए कि प्रकृति का संगीत ही विस्मृत हो चला। हमने जीवन में प्रदूषण उत्पन्न किया, हमने जीवन में कर्कशता उत्पन्न की, हमने जीवन में कलह उत्पन्न किया, हमने जीवन में असंतोष उत्पन्न किया, हमने जीवन में अनावश्यक संघर्ष उत्पन्न किया। इन सबके चलते सुरीले से बेसुरे होने की होड़-सी लग गई।

कभी विचार किया कि इस होड़ में क्या-क्या खोना पड़ा? परिवार छूटा, आपसी संबंध छूटे, संतोष छूटा, नींद छूटी, स्वास्थ्य का नाश हुआ। इतना सब खोकर कुछ पाया भी तो क्या पाया,...बेसुरा होना!.. सचमुच बेसुरा होना कठिन है। संसार सुरीला है। जीवन के सुरीलेपन की ओर लौटो। तुम्हारा जन्म सुरीलेपन के लिए हुआ है। सुरमयी संसार में सुरीले बनो। यही तुम्हारा मूल है, यही तुम्हारी प्रकृति है, यही तुम्हारी संस्कृति है। स्मरण रहे, सुरीला होना प्राकृतिक है, सुरीला होना सहज है, सुरीला होना सरल है, बेसुरा होना बहुत कठिन है।

बोध कथा

आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया। साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला। साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया।

आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा हे भगवान ! ये तूने क्या किया? आनंद पुन: हँस पड़ा और बोला महाराज आप क्यों दु:खी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधू मन ही मन सोचने लगा में तो केवल भेष से साधू हूँ। सच्चा साधू तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधू फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया। साधू ने आनंद से कहा अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान करे अब तू ऐसा ही बना रहे। यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है।

साधू ने पूछा क्या यह भी नहीं रहने वाला? आनंद उत्तर दिया हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा। कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा की वंश आत्मा। आनंद की बात को साधू ने गौर से सुना और चला गया। साधू कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तू कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है। बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है। साधू कहता है अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दु:ख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता। तू सोचता है पड़ोसी मुसीबत में है और मैं मौज में हूँ। लेकिन सुन, न मौज रहेगी और न ही मुसीबत। सदा तो उसको जानने वाला ही रहेगा। सच्चे इन्सान वे हैं, जो हर हाल में खुश रहते हैं। मिल गया माल तो उस माल में खुश रहते हैं, और हो गये बेहाल तो उस हाल में खुश रहते हैं। साधू कहने लगा धन्य है आनंद! तेरा सत्संग, और धन्य हैं तुम्हारे सतगुरु! मैं तो झूठा साधू हूँ, असली फकीरी तो तेरी जिन्दगी है। अब मैं तेरी तस्वीर देखना चाहता हूँ, कुछ फूल चढ़ाकर दुआ तो मांग लूं। साधू दूसरे कमरे में जाता है तो देखता है कि आनंद ने अपनी तस्वीर पर लिखवा रखा है आखिर में यह भी नहीं रहेगा।

वीर गाथा

नायक भीम सिंह: ग्रेनेड धमाके में भी नहीं डिगा हौसला, खूंखार आतंकवादी को किया ढेर

नायक भीम सिंह का जन्म हरियाणा के सिरसा जिले में स्थित डिंग गांव में हुआ था। माता रेशमा देवी और पिता देवी लाल के बेटे भीम भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स में भर्ती हुए थे। बाद में उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 9वीं बटालियन में नियुक्त कर दिया गया।

26 सितंबर, 2022 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि दक्षिण कश्मीर के एक गांव में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। उस समय भीम सिंह कॉम्बैट टीम कमांडर थे। सूचना का विश्लेषण करने के बाद उन्हें आदेश दिया गया कि वे उस गांव में जाएं और वहां घेराबंदी एवं तलाशी अभियान शुरू करें। भीम सिंह ने वहां पहुंचकर सबसे पहले आम नागरिकों को बाहर निकालना शुरू किया। अचानक आतंकवादियों ने उनकी ओर गोलीबारी की। उन्होंने नागरिकों की ओर ग्रेनेड भी फेंके। इससे एक अधिकारी घायल हो गया था।

भीम सिंह ने उस आतंकवादी को तुरंत निशाने पर लिया और उसे बुरी तरह घायल कर दिया। इस दौरान उन्होंने घायल अधिकारी को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। भीम सिंह ने एक और बड़ा जोखिम लिया। वे रेंगते हुए आगे बढ़े। उन्होंने पक्का इरादा कर लिया था कि आतंकवादी को बचकर नहीं जाने देंगे।

शाम लगभग सवा सात बजे आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंक कर भागने की कोशिश। उसी क्षण भीम सिंह ने गोली चलाई और आतंकवादी वहीं ढेर हो गया। इस तरह उन्होंने कई लोगों की जान बचाई।

नायक भीम सिंह ने जिस निडरता, वीरता और पराक्रम के साथ अपना कर्तव्य निभाया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

एयर शो

राजकोट के अटल सरोवर में सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के एयर शो के हिस्से के तौर पर ऑर्गनाइज़ एक एग्ज़िबिशन के दौरान विज़िटर्स तस्वीरें क्लिक करते हुए।

पुतिन के लिए राजकीय भोज में गर्मजोशी भरा और आत्मीय माहौल था: थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा है कि शुक्रवार रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए आयोजित राजकीय भोज में गर्मजोशी भरा और आत्मीय माहौल था तथा कई लोगों से बातचीत करना आनंददायक था। थरूर की यह टिप्पणी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पुतिन के सम्मान में दिए गए भोज के एक दिन बाद आई है। थरूर ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, शुक्रवार रात राष्ट्रपति पुतिन के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल हुआ। माहौल बेहद गर्मजोशी भरा और आत्मीय था।

वहां उपस्थित कई लोगों से बातचीत करने का आनंद लिया, खासतौर पर रूसी प्रतिनिधिमंडल से आए साथी बेहद अच्छे थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने भोज के दौरान पुतिन और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि यह यात्रा भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

मुर्मू ने भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के लिए पुतिन के समर्थन और व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की भी सराहना की। कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया था कि पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित राजकीय भोज में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को आमंत्रित नहीं किया गया है।

रैली

पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रेसिडेंट शुभंकर सरकार बीआर अंबेडकर के खिलाफ एक सद्भावना रैली के दौरान।

अगले साल की शुरुआत में भारत को एलएमजी की पहली खेप की आपूर्ति करने की योजना: इजराइली रक्षा कंपनी

यरूशलम/भाषा

इजराइल की एक प्रमुख रक्षा कंपनी ने बताया कि उसकी योजना अगले साल की शुरुआत में भारत को 40,000 लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप की आपूर्ति करने की है जबकि लगभग 1,70,000 नए जमाने की कार्बाइन (एक प्रकार की बंदूक) की आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर से जुड़ी प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

'इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज' (आईडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शुकी श्वार्टज ने यह भी बताया कि उनकी कंपनी वर्तमान में भारत के गृह मंत्रालय की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्तौल, राइफल और मशीन गन सहित उनके उत्पादों का विपणन कर रही है। श्वार्टज ने 'पीटीआई' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, हम अभी तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हैं। पहला, 40,000 लाइट मशीन गन का अनुबंध, जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे। हमने सभी परीक्षण और सरकारी जांच पूरी कर ली है तथा हमें उत्पादन का लाइसेंस मिल गया है। हमारा इरादा साल की शुरुआत में पहली खेप की आपूर्ति करने का है। उन्होंने आपूर्ति की समय-सीमा के बारे में पूछे जाने पर कहा, एलएमजी की आपूर्ति पांच साल के लिए है। हम इसे और भी जल्दी दे सकते हैं लेकिन पहली आपूर्ति साल की शुरुआत में होगी।

श्वार्टज ने बताया कि दूसरे कार्यक्रम में सीक्यूबी (क्लोज क्वार्टर्स बैटल) कार्बाइन निविदा शामिल है, जहां कंपनी दूसरी बोलीदाता थी। 'भारत फोर्ज' प्राथमिक बोलीदाता है। उन्होंने बताया, हमारा इरादा अनुबंध का 40 प्रतिशत आपूर्ति करने का है। हम अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं और मेरा मानना है कि इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

'सीक्यूबी कार्बाइन' की आपूर्ति का 60 प्रतिशत 'भारत फोर्ज' करेगा जबकि शेष 40 प्रतिशत (170,000 इकाइयां) अदाणी समूह की सहायक कंपनी पीएलआर सिस्टम्स द्वारा वितरित की जाएंगी। उन्होंने 'पीएलआर सिस्टम्स' के माध्यम से अदाणी समूह के साथ एक मजबूत साझेदारी पर भी प्रकाश डाला, जो हल्के हथियारों के निर्माण और स्थानीय स्तर पर आर्बेल प्रणालियों के एकीकरण पर केंद्रित है। श्वार्टज ने यूरोपीय देशों द्वारा कुछ उपकरणों की आपूर्ति पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध के बारे में पूछे जाने पर कहा, इस कारण से इजराइल को अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने की आवश्यकता है और वैश्विक स्तर पर रक्षा बलों का समर्थन करने के लिए हमारी अपनी आपूर्ति श्रृंखला है। हमने अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए इस आपूर्ति श्रृंखला का विकास किया है।

जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें याद करते हुए कहा कि जन्म से लेकर जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि आज बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का 'महापरिनिर्वाण दिवस' है, और यह एक ऐसा दिन है जो प्रेरणा देता है।आदित्यनाथ ने कहा, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने हर भारतीय को प्रेरित किया है। वह कहते थे कि हमारी पहचान मेरे परिवार, मेरी जाति, मेरे क्षेत्र और मेरी भाषा से नहीं है। बल्कि, हर भारतीय के मन में यह भावना होनी चाहिए कि जन्म से लेकर जिंदगी के आखिरी सफर तक हमारी पहचान एक भारतीय के तौर पर होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश होम गार्ड की स्थापना छह दिसंबर 1963 को हुई थी और तब से यह संगठन उत्तर प्रदेश पुलिस बल के लिए एक अटूट सुरक्षा कवच और एक मजबूत सहायक तंत्र बना हुआ है। उन्होंने कहा, हमने अक्सर देखा कि होम गार्ड कर्मियों को नजरअंदाज किया जाता था। लेकिन, अब उन्हें राष्ट्रपति का सम्मान मिल रहा है। गृह मंत्रालय भी उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित कर रहा है। और मैं आज यहां सम्मानित हुए सभी अधिकारियों और कर्मियों को दिल से बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि होम गार्ड संगठन अब सिर्फ पुलिस का सहायक नहीं रहा, अब वे पुलिस के साथ कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन, डायल-112 सेवाओं में और चुनाव ड्यूटी के दौरान होम गार्ड कर्मियों का सराहनीय योगदान न केवल राज्य में बल्कि देश के विभिन्न राज्यों में भी साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल, राज्य में आपदा प्रतिक्रिया स्वयंसेवकों की नियुक्ति की जा रही है।

'शोले' के री-रिलीज से पहले सामने आया फिल्म का ट्रेलर, ताजा हुईं पुरानी यादें

मुंबई/एजेन्सी

कल्ट क्लासिक फिल्म 'शोले' पर्दे पर एक बार फिर रिलीज के लिए तैयार है और दर्शकों के बीच एक बार फिर शोले की पुरानी यादों को ताजा करने के लिए मेकर्स ने शोले: द फाइनल कट का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में इस बार म्यूजिक की बीट को बिल्कुल ही बदल दिया गया है। कल्ट क्लासिक फिल्म शोले: द फाइनल कट 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बार फिल्म 4के रिस्टोर्ड वर्जन के साथ पर्दे पर दिखाई जाएगी। फिल्म के री-रिलीज से पहले ट्रेलर ने धमाका मचा दिया है। ट्रेलर की शुरुआत पुरानी ट्रेन की सीटी और डाकुओं से होती है, जो ट्रेन को लूट रहे हैं, लेकिन तभी एंट्री होती है धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन

की, जो कोई भी काम बिना पैसों के नहीं करते हैं। ट्रेलर में ठाकुर जय और वीरू के स्वभाव के बारे में भी बताते हैं कि दोनों बदमाश हैं लेकिन दिल के बुरे नहीं हैं।

शोले: द फाइनल कट के ट्रेलर ने दर्शकों की पुरानी यादें ताजा कर दी हैं और वे फिल्म के सिनेमाघरों में री-रिलीज का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्या ही शानदार ट्रेलर है, ऐसा लग रहा है जैसे सिनेमाघरों में कोई नई फिल्म रिलीज हो रही हो। खासकर इलेक्ट्रिक गिटार के साथ मेन थीम म्यूज़िक का मिक्स वाकई कमाल लग रहा है। एक अन्य यूजर ने लिखा, धर्मेंद्र जी के जाने के बाद एक बार फिर जय-वीरू की जोड़ी को पर्दे पर देखने का इंतजार नहीं हो रहा है। बता दें कि भारत की सबसे प्रसिद्ध ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर फिल्म को री-रिलीज किया जा रहा है। फिल्म को सबसे पहले 15 अगस्त 1975 के दिन सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।

रिलीज के शुरुआती दिन फिल्म कुछ खास नहीं चली, मेकर्स को लगने लगा कि फिल्म फ्लॉप है, लेकिन धीरे-धीरे फिल्म ने रफ्तार पकड़ी और फिल्म लगभग 5 साल तक थिएटर में लगातार चली। बताया जाता है कि मुंबई के मिनर्वा थिएटर में फिल्म 5 साल तक लगी थी। फिल्म की सफलता को देखते हुए साल 2004 में फिल्म के 30 साल पूरे होने पर दोबारा रिलीज किया गया, जिसके बाद साल 2014 में 3डी वर्जन में और फिर अब 2025 में फॉर के रिस्टोर्ड वर्जन के साथ रिलीज होने वाली है।

लिटरेचर फेस्टिवल

बेंगलूरु में शनिवार को राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति शनिवार को फ्रीडम पार्क में बेंगलूरु लिटरेचर फेस्टिवल के 14वें एडिशन के दौरान एक किताब पर साइन करती हुईं।

प्राइम वीडियो पर 19 से प्रसारित होगा 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!'

मुंबई/भाषा

स्ट्रीमिंग मंच 'प्राइम वीडियो' ने शुक्रवार को वेब सीरिज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!' के चौथे और अंतिम सीजन का प्रसारण 19 दिसंबर से होने की घोषणा की। रंजीता प्रीतीश नंदी व इशिता प्रीतीश नंदी द्वारा निर्मित इस अंतिम सीजन में सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगरू फिर से अपने-अपने किरदार निभाती दिखाई देंगी। 'प्राइम वीडियो' ने एक बयान में बताया कि चौथा सीजन दोस्ती, आजादी और आधुनिक युग की महिलाओं के जीवन की जटिलताओं को दर्शाता है। अंतिम सीजन में दामिनी (गुप्ता), उमंग (बानी जे), अंजना (कुल्हारी) व सिद्धि (गगरू) की कहानी दिखाई गई है, जो एक समझौते के साथ लौटती हैं और उनके जीवन की नई कशमकश व भावनात्मक उथल-पुथल की शुरुआत होती है। 'प्राइम वीडियो', इंडिया के निदेशक और ओरिजिनल्स प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, फोर मोर शॉट्स प्लीज!' एक ऐसी सीरीज है, जिसने महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की शुरुआत की, अनगिनत दर्शकों को प्रेरित किया और महिला-प्रधान कहानी कहने की सीमाओं को आगे बढ़ाया।

उन्होंने कहा, इस शो की ईमानदारी, बेबाक नजरिया और जीवंत किरदारों ने न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में लोगों का दिल जीत लिया। अब जबकि हम अंतिम सीजन की शुरुआत कर रहे हैं, हमें इन बेहद पसंद किए गए और चर्चित मुख्य किरदारों की कहानियों को बयां करते हुए गर्व हो रहा है।

उर्मिला मातोंडकर ने 'गुस्ताख इश्क' को बताया 'विश्व-स्तरीय' फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा शुक्रवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अभिनेत्री उर्मिला मंतोडकर ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने मनीष के काम और फिल्म की तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम पर मनीष के घर हुई पार्टी की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'मिरेकल मैन' मनीष मल्होत्रा के साथ एक क्लासी और शानदार शाम थी। हर पल यादगार रहा। मनीष, आपने 'गुस्ताख इश्क' जैसी विश्व-स्तरीय फिल्म बनाकर सच में साबित कर दिया कि अगर इंसान लगातार मेहनत करे, सपने देखे और बिना रुके काम करे, तो चमत्कार सच में हो जाते हैं। आने वाला साल आपके लिए और भी सफलताओं और बेहद खास मुकामों से भरा हो! जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका हर दिन शानदार रहे। मनीष मल्होत्रा आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है, उन्होंने अपने करियर में कई सेलेब्स और नामी लोगों के लिए ड्रेस बनाई है और उन्होंने फिल्म 'गुस्ताख इश्क' से प्रोडक्शन में डेब्यू कर लिया है। विभु पुरी द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री फातिमा सना शेख और अभिनेता विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, फिल्म में अनुभवी अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम भूमिका में हैं।

वहीं, फिल्म का संगीत मशहूर जोड़ी गुलजार और विशाल भारद्वाज ने मिलकर दिया है। ये दोनों पहले भी कई यादगार गाने बना चुके हैं। रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

शुरुआत में रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'गुस्ताख इश्क' ने दर्शकों का ध्यान खींचा, लेकिन बाद में धनुष और कृति सेनन की इंटेंस लव स्टोरी 'तेरे इश्क में' से क्लैश के बाद फिल्म की कमाई रफ्तार नहीं पकड़ सकी।

फिल्म की कहानी पुरानी दिल्ली की संकरी गलियों और पंजाब की पुरानी कोठियों के बीच एक अधूरी लेकिन गहन प्रेम कथा पर है। विभु पुरी द्वारा निर्देशित 'गुस्ताख इश्क' 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'मेरा नाम जोकर' से लेकर पठान तक', इन फिल्मों में फिल्माई गई रूस की अलग-अलग लोकेशन

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा और रूस के बीच एक पुराना सांस्कृतिक संबंध है, जो हर साल मजबूत होता जा रहा है। दोनों देशों के बीच बढ़ते सांस्कृतिक संबंधों के साथ-साथ पर्यटन और राष्ट्रीय आय को भी बढ़ावा मिला है। शीत युद्ध के समय रूस ने राजनीतिक संबंध स्थापित करने के बाद अपने बाजारों को हिंदी सिनेमा के लिए खोला था, जिसके बाद न सिर्फ वहां फिल्में रिलीज की गईं बल्कि कई अलग-अलग लोकेशन पर फिल्मों की शूटिंग भी हुई। आज हम उन फिल्मों के बारे में बताएंगे जिनकी शूटिंग रूस में हुई। 1970 में रिलीज हुई राज कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' रूस में बहुत पसंद की गई थी। राज कपूर रशिया के सिनेमा प्रेमी दर्शकों के लिए भगवान की तरह थे, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म में रशियन अभिनेत्री सेनिया लावोव्ना रियाबिनकिना के साथ अभिनेता ने फिल्म के कुछ सीन को

मास्को में फिल्माया था।

सलमान खान और स्नेहा उल्लाल की साल 2005 में आई फिल्म 'लकी: नो टाइम फॉर लव' के कुछ सीन और रोमांटिक गाने सेंट पीटर्सबर्ग पर शूट किए गए थे। तमिल एक्शन फिल्म 'धाम धूम' की शूटिंग भी रशिया में हुई थी। इस फिल्म में कंगना रनौत का भी छोटा सा रोल था। फिल्म की शुरुआत ही रशिया के खूबसूरत शहर मास्को से होती है। फिल्म का बहुत सारा हिस्सा रूस के अलग-अलग हिस्सों में फिल्माया गया है। साल 2022 में रिलीज हुई आर माधवन की रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट' के कुछ सीन को रूस में शूट किया गया था। टीम ने साल 2019 में रूस में शूटिंग की थी और वहां पांच दिन तक खराब मौसम के बाद काम किया था। इसके अलावा, सलमान खान की 'एक था टाइगर' को भी रूस में शूट किया गया था।

साल 2023 में आई शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अभिनीत 'पठान' के कुछ सीन और गानों को रूस की बैकाल झील के पास शूट किया था। फिल्म पर्दे पर सुपरहिट साबित हुई थी। कुछ फिल्में ऐसी भी थीं, जिन्हें भारत और सोवियत संघ ने एक साथ मिलकर बनाया था। साल 1981 में 'एडवेंचर्स ऑफ अली-बाबा एंड द फोर्टी थीव्स' को दोनों देशों के निर्माताओं ने मिलकर बनाया था। हिंदी सिनेमा ने रशिया और भारत के बीच सांस्कृतिक कूटनीति को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी तकनीक के रूप में काम किया है, जिससे राजनीतिक और रणनीतिक साझेदारी से परे दोनों देशों के बीच, लोगों के बीच संबंधों को मजबूती मिली है। इसी का नतीजा है कि आज रशिया में हिंदी फिल्मों को समर्पित एक बॉलीवुड चैनल का प्रसारण भी होता है, जिस पर 24 घंटे बॉलीवुड फिल्में दिखाई जाती हैं।

मेरा सफर, चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ संतुष्टिपूर्ण भी है : नुसरत भरुचा

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान नुसरत भरुचा ने 'छोरी 2' के सफ़र पर की दिल छू लेने वाली बात कहते हुए बताया कि एक लड़की के लिए अपना फ्रेंचाइज़ी बनाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसे आखिरकार कर ही दिखाया। इसमें दो राय नहीं है कि नुसरत भरुचा ने एक ऐसे दौर में अपनी अलग जगह बनाई है, जहाँ महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी बहुत कम देखने को मिलती हैं। 'छोरी' के बाद 'छोरी 2' के सफल प्रदर्शन के बाद नुसरत अब हॉरर यूनिवर्स के अगले चरण यानी 'छोरी 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि वे इसे एक ऐसी उपलब्धि मानती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी है। अपने फ़िल्मी सफ़र पर बात करते हुए नुसरत ने कहा, छोरी 1 और 2 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। अब हम एक और भाग शुरू कर रहे हैं, और सच कहूँ तो एक लड़की के लिए अपनी खुद की फ्रेंचाइज़ी बनाना वाकई बहुत मुश्किल होता है। हालांकि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ कि इसमें मेरे प्रोड्यूसर, मेरे डायरेक्टर और हर को-एक्टर ने मेरा भरपूर साथ दिया। सच, मैं ये उस लड़की की तरह कह रही हूँ, जिसे लगता था कि वो सिर्फ़ एक रोम-कॉम एक्ट्रेस बनकर ही रह जाएगी। सो छोरी की तरफ़ से ये आप सबके लिए है। नुसरत के लिए छोरी सिर्फ़ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत विकास की यात्रा है। हल्की-फुल्की रोमांटिक फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत मानती हैं कि वह हमेशा खुद को रोम-कॉम एक्ट्रेस ही समझती थीं, लेकिन छोरी ने उन्हें एक नए क्रिएटिव ज़ोन में पहुँचाया, जहाँ डर, गहराई, संवेदनशीलता और सामाजिक संदेश एक साथ जुड़ते हैं। फिलहाल 'छोरी 3' के साथ वे इसके अगले अध्याय में कदम रखने जा रही हैं। साथ ही अपनी इस सफलता को वे हर उस लड़की को समर्पित करती हैं जो अपनी राह नए सिरे से तय कर रही है, जो ये साबित करती है कि हिम्मत और विश्वास से कोई कुछ भी हासिल किया जा सकता है, फिर वो चाहे कितना भी असम्भव क्यों न लग रहा हो।

जैनाचार का लक्ष्य है सर्वज्ञता : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से भोगीलाल लहरचंद प्राच्यविद्या संस्थान, दिल्ली में सर्वज्ञता विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 6 दिसंबर, शनिवार को साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि जैन दर्शन में सर्वज्ञता साधना की सर्वोच्च उपलब्धि है। यह जैनाचार का परम लक्ष्य है। भारतीय दर्शनों के परिप्रेक्ष्य में 'जैन परंपरा में सर्वज्ञता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में डॉ. धींग ने आचार्य हरिभद्र के ग्रंथ शास्त्रवार्ता समुच्चय की उपाध्याय यशोविजय कृत टीका स्याद्वाद कल्पलता में सर्वज्ञता विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि 1444 ग्रंथों के रचनाकार आठवीं सदी के आचार्य हरिभद्र ने विभिन्न दर्शनों के मानने वालों के बीच सद्भाव की प्रतिष्ठा की। सद्भाव के साथ ही ज्ञान की साधना फलदायी बनती है और कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। डॉ. धींग ने कहा कि जैन धर्म और दर्शन सर्वज्ञतावादी है। जैन परंपरा में आगम, निर्युक्ति, भाष्य आदि अनेक प्राचीन अर्वाचीन ग्रंथ सर्वज्ञता के वर्णन से भरे हैं। जैन दर्शन में वर्णित पाँच ज्ञान में अंतिम केवलज्ञान सर्वज्ञतावाद का आधार है। केवलज्ञानी ही सर्वज्ञ होता है। भगवान सर्वज्ञ हैं, सर्वदर्शी हैं। वे सब जान रहे, देख रहे हैं, ऐसा सोचकर व्यक्ति पाप से बच सकता है।

संगोष्ठी में आत्म-वल्लभ जैन शिक्षण निधि के उपाध्यक्ष जेपी जैन, अशोक जैन, तीर्थंकर महावीर विवि के कुलपति प्रो. वीके जैन, उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान मानित विवि के कुलपति प्रो. वांगचुक दोर्जी नेगी, परिषद के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद मिश्र, जिनवाणी के संपादक डॉ. धर्मचंद जैन, प्राकृतविद्या के संपादक प्रो. वीरसागर जैन, डॉ. सुमत कुमार जैन, डॉ. सुषमा सिंघवी, डॉ. श्रीयांश सिंघई, मोहित जैन, व्योम शाह सहित देशभर से आए विद्वान उपस्थित हुए। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय कुमार जैन ने संयोजन एवं डॉ. पत्रिका जैन ने संचालन किया।

दिव्यांगों के लिए आदिनाथ नेमीनाथ तीर्थ यात्रा का आयोजन 13 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री आदिनाथजी-नेमीनाथजी तीर्थ यात्रा संघ का आयोजन श्री पारस पुष्प चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में 13 से 19 दिसंबर तक किया जा रहा है। यह यात्रा 108 दिव्यांग जैन श्रावकों के साथ आगामी शनिवार को चेन्नई से ट्रेन द्वारा प्रस्थान करेगी। यात्रा के उपलक्ष्य में 5 दिसंबर को केसरवाड़ी में एक सभा आयोजित की गई। जिसमें सभी यात्रियों को किट वितरित की गई तथा यात्रा से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। ट्रस्ट के रणजीत मेहता ने बताया कि इस यात्रा में चेन्नई से 78 यात्री एवं कार्यकर्ता ट्रेन द्वारा रवाना होंगे, जबकि मुंबई, सूरत और अहमदाबाद से 63 यात्री यात्रा में शामिल होंगे। सभी यात्री गिरनार महातीर्थ एवं शत्रुंजय महातीर्थ के दर्शन और पूजा-अर्चना के पश्चात 19 दिसंबर को ट्रेन द्वारा पुनः चेन्नई लौटेंगे। इस आयोजन की तैयारियों में ट्रस्ट के महेंद्र चुत्तर, किशोर पी. जैन तथा सभी कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे हुए।

आदर्श स्कूल ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित मनवरथपेट स्थित आदर्श स्कूल में विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान के सामूहिक गायन से हुआ, जिसके पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने संघ के मुख्य अतिथि अशोक भंसाली का स्वागत किया। कार्यक्रम में वर्षभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं, निबंध लेखन, संभाषण, रंगोली, चित्रकला तथा सामान्य ज्ञान क्विज़ के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, विद्यालय ने सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार और नियमित उपस्थिति पुरस्कार भी प्रदान किए। मुख्य अतिथि अशोक भंसाली ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर प्रयास और आत्मअनुशासन सफलता की कुंजी हैं। प्रधानाचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करते हैं और उन्हें उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करते हैं। कार्यक्रम में अध्यापकगण, अभिभावक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय परिसर उत्साह और गौरव की भावना से ओतप्रोत दिखाई दिया। यह जानकारी हाई स्कूल के हिंदी अध्यापक नित्यानंद शर्मा ने दी।

पूर्णिमा के मौके पर बसवनगुड़ी में गुरुदेव की भक्ति का कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरुदेव की भक्ति बसवनगुड़ी दादावाड़ी में रखी गई। अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने गुरुदेव के बारे में बताया।ङ्कमंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि हर पूर्णिमा को दादा गुरुदेव की भक्ति दादावाड़ी में आयोजित की जाती है और गुरुदेव के पुण्य स्मरणों को याद करके भक्ति गीतों और इकतीसा के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं। गुरुदेव के आध्यात्मिक और साधना बल से

उनके जीवनकाल और उनके स्वर्गारोहण के पश्चात भी अनेक चमत्कार घटित होते रहते हैं जिन्हें भक्तगण प्रत्यक्ष महसूस भी करते हैं। इस अवसर पर गायक सुरेश कोठारी सहित मंडल के अनेक सदस्य व भक्तगण उपस्थित थे।

मातृ शक्ति को उपेक्षित समझना पाप के समान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के ओसवाल गार्डन में एसएस जैन संघ के तत्वावधान में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी ने कहा कि पुरुष प्रधान मानसिकता का दुष्प्रभाव नारी को दूसरा नंबर का दर्जा देना, उपेक्षित करना, अनदेखा करना, इससे बड़ा अधर्म और पाप कुछ नहीं हो सकता है। उन्होंने वीरांगना सम्मान समारोह को संबोधित करते करते हुए कहा कि बाहरी शारीरिक रचना के आधार पर महिला को पुरुष से श्रम बुद्धि और शक्ति से कम शक्तिशाली मानना देवी शक्ति का अपमान करने के समान है आज पूरे विश्व में महिला ने पुरुष से दो कदम आगे बढ़कर हर क्षेत्र में इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि कटु सत्य तो यह है कि सभी महापुरुषों के निर्माण में मातृ शक्ति का योगदान ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण रहा है। उसके बिना जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

मुनि कमलेश ने बताया कि जिस घर में मातृ शक्ति का अपमान होता है वहां से सुख, समृद्धि, शांति, लक्ष्मी पलायन कर जाती है। जहां उसका सम्मान होता है और घर में देवताओं का निवास होता है। जन्म से लेकर मृत्यु तक अनहोनी घटना का दोष मातृशक्ति को दिया जाता है। संतान नहीं हुई, कोई मर गया, अशुभ हो गया तो समाज सबकी जिम्मेदार नारी को ठहरा दिया जाता है जो सर्वथा अनुचित है।

जैन संत ने कहा कि विधवा महिलाएं सौभाग्यवती से भी ज्यादा मंगलकारी होती है। उन्हें विधवा के नाम से बुलाना संपूर्ण सृष्टि का अपमान करने के समान माना जाता है। जिस माता ने रामकृष्ण महावीर नानक बुद्ध जैसे महापुरुषों के जन्म दिया वह तो उनसे भी ज्यादा मंगलकारी है। महापुरुषों से पहले देव शक्ति उनकी माता को नमन करते हैं।

श्री वीरेंद्र मुनि जी ने कहा कि हमारे महापुरुष और आगम में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है। उनको अशुभ मानना धर्म का अपमान है। इस मौके पर 21 वीरांगनाओं का सम्मान किया गया। संघ के अध्यक्ष गौतम श्रीमाल ने प्रस्तावना रखी। अजीत तातेड़, महावीर पींचा, सुशील फुलफगर ने महिला मंडल के द्वारा संगीता छाजेड़, शशि बोहरा, आशा पींचा, श्वेता बाफना, मंजुला सुराणा के हाथों वीरांगना का सम्मान किया गया।

हर चिंता का हरण करने वाले चिंतामणि प्रभु पारसनाथ : डॉ. वरुण मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/हुमंचा। डॉ. वरुण मुनि जी म.सा. ने शुक्रवार को अपने संबोधन में कहा कि हर चिंता को हरने वाला, हर मनोकामना को पूर्ण करने वाला नाम है-भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथजी का नाम। जैन परंपरा के 24 तीर्थंकरों में 23वें तीर्थंकर प्रभु पार्श्वनाथ का अपना एक विशिष्ट और अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है। समस्त विश्व में जैन इतिहास के अनुसार सर्वाधिक मंदिर, सर्वाधिक प्रतिमाएँ, सर्वाधिक स्तोत्र एवं सर्वाधिक मंत्र-रचनाएँ यदि किसी तीर्थंकर के लिए हुई हैं, तो वे हैं-चिंतामणि प्रभु पार्श्वनाथ।ङ्कमुनिश्री अपनी विहार यात्रा करते हुए विश्वविख्यात हुंमचा पद्मावती तीर्थ पहुंचे। जो श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्वितीय केंद्र है। इस अवसर पर भट्टारक श्री देवेंद्र कीर्ति जी म. द्वारा राष्ट्रीय संत उपप्रवर्तक पंकज मुनिजी, डॉ. वरुण मुनिजी एवं मुनिरत्न श्री रूपेश मुनिजी का विशिष्ट रूप से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। ङ्कडॉ. वरुण मुनिजी ने कहा कि भगवान पार्श्वनाथ के नाम के साथ विशेषण चिंतामणि जोड़ा गया है। चिंतामणि एक दिव्य रत्न माना गया है, जिसके प्रभाव से हर

मनोकामना पूर्ण होती है और हर चिंता का नाश होता है। इसी प्रकार प्रभु पारस का पावन नाम साक्षात चिंतामणि रत्न के समान है।

जो भी भक्ति-भाव से उनके नाम का जाप, स्मरण और साधना करता है, देवी पद्मावती और शासन अधिष्ठायक देव-देवियाँ उसकी सभी चिंताओं का विनाश कर मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। हुंमचा पद्मावती तीर्थ में भगवान पारसनाथ, देवी पद्मावती और शासन अधिष्ठायक धर्णेन्द्र देव का पावन जिनालय स्थित है। यहाँ दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएँ लेकर आते हैं और विश्वासपूर्वक कहते हैं कि यहाँ आने से दुख दूर होते हैं और इच्छाएँ पूर्ण होती हैं। इस तीर्थ का संपूर्ण संचालन भट्टारक श्री देवेंद्र कीर्तिजी के दिशा-निर्देशन में अत्यंत सुंदर व अनुशासित ढंग से हो रहा है।

डीपीएच हाई स्कूल को 'होलीस्टिक एज्यूकेशन' श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विक्टोरिया रोड स्थित श्री हिन्दी शिक्षण संघ द्वारा संचालित डीपीएच हाईस्कूल को एज्यूकेशन टुडे द्वारा आयोजित इंडिया स्कूल मेरिट अवॉर्ड्स-2025 में 'आईसीएसई पैरामीटर-वाइज होलीस्टिक एज्यूकेशन' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह समारोह एक पंचतारा होटल में शुक्रवार को आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के प्रमुख विद्यालयों ने भाग लिया।ङ्कइस वर्ष 2167 से अधिक स्कूलों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें से डीपीएच हाई स्कूल को भारत के शीर्ष 400 विद्यालयों में स्थान प्राप्त हुआ।

विद्यालयों का आकलन 15 प्रमुख मानकों जैसे अकादमिक प्रतिष्ठा, शिक्षक विकास, खेल एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ, अवसंरचना, मूल्य शिक्षा एवं विद्यार्थी समग्र विकास के आधार पर किया गया। अंतिम रैंकिंग जूरी मूल्यांकन, 1.31 लाख अभिभावकों के वोट और एज्यूकेशन टुडे टीम के विस्तृत विश्लेषण पर आधारित थी। यह पुरस्कार विद्यालय के सचिव शांतिलाल चोपड़ा और प्रधानाचार्या रेणुका महेश ने एक समारोह में ग्रहण किया।ङ्कइस मौके पर विद्यालय के सचिव शांतिलाल चोपड़ा ने कहा कि होलीस्टिक एज्यूकेशन के इस राष्ट्रीय सम्मान ने हमारे उस मिशन को और सुदृढ़ किया है, जिसके तहत हम बच्चों के मन, शरीर और चरित्र तीनों का विकास करने पर जोर देते हैं। हमारे शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक और शुभचिंतक इस उपलब्धि की असली शक्ति रहे हैं। हम भविष्य में भी आत्मविश्वासी, करुणाशील और योग्य विद्यार्थियों के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

नए विचारों, सकारात्मक ऊर्जा से हो नए वर्ष का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां आऊवा महिला मंडल की दिसंबर माह की मासिक संगोष्ठी उपाध्यक्ष वसंता रायसोनी के नेतृत्व में निर्मला हेमंत चंडालिया के निवास कॉक्स टाउन में शनिवार दोपहर में हुई। पीले रंग की साड़ी के आकर्षक ड्रेस कोड में पहुंची सभी सदस्यों ने नए उत्साह के साथ 2026 का स्वागत कैसे करें इस विषय पर सहभागिता की।

उपाध्यक्ष वसंता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। बिन्दु रायसोनी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में संतोष रायसोनी ने आध्यात्मिक विषय प्रस्तुत करते हुए कहा कि मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ है और यह हमारे अच्छे कुल, अच्छे धर्म तथा कर्म उदय के प्रभाव से प्राप्त होता है। हमें जीवन को आध्यात्मिक दिशा में अग्रसर करना चाहिए। कितनी ही खाइयाँ पार कर मनुष्य गति मिली है, इसलिए इसका श्रेष्ठ उपयोग करना अनिवार्य है। आने वाले नए वर्ष की तैयारी अच्छे संकल्पों से होनी चाहिए। शीतल चोपड़ा ने मैनिफ़ेस्टेशन विषय को सरल और प्रभावी शब्दों में समझाया।

उन्होंने कहा कि इसका वास्तविक अर्थ है किसी विचार, भावना या विश्वास को वास्तविकता में बदलना। व्यक्ति जब अपने विचारों, भावनाओं और सकारात्मक कर्मों को एक दिशा देता है, तो मनचाही स्थिति को वास्तविक रूप में पाया जा सकता है।

आराधना चण्डालिया ने ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता करवाई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

अध्यक्ष कांता रायसोनी, मंत्री पिंकी इसरानी ने शुभकामनाएँ दी। संगोष्ठी का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। अंत में निर्मला चण्डालिया ने सभी उपस्थित सदस्याओं का आभार व्यक्त किया। बैठक नए विचारों, सकारात्मक ऊर्जा और वर्ष 2026 के स्वागत की सुंदर तैयारियों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

श्रीमद्भागवत कथा एवं नानी बाई का मायरो का आयोजन 18 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्ना नगर के शांति कॉलोनी में स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में 18 दिसंबर से बृंदावन से कथावाचक प्रियाशरण जी महाराज संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा आयोजक समाज सेवी मोहनलाल सर्राफ ने बताया है कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन परिसर में किया जा रहा है। कथावाचन प्रियाशरणजी महाराज द्वारा प्रतिदिन शाम 4 से 7:30 बजे तक कथा चलेगी।

कथा के प्रथम दिन कलश यात्रा का आयोजन श्री श्याम बाबा

मंदिर अन्ना नगर से किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश लेकर ढोल नगाड़ों एवं भक्तिमय माहौल में नाचते गाते कथा स्थल पहुंचेंगी तत्पश्चात भागवत पूजन के उपरांत कथा प्रारंभ होगी। सप्तदिवसीय कथा में प्रतिदिन भागवत के अनेक प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा। श्री सर्राफ ने बताया कि कथा संपन्न होने के उपरांत अगले दिन 25 दिसंबर से नानी बाई का मायरा कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें व्यास पीठ पर शिवा किशोरीजी विराजमान होकर कथा श्रवण कराएंगी। इन दोनों कार्यक्रमों के समापन के उपरांत शनिवार 27 दिसंबर को पूर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्रीमद् भागवत कथा एवं नानी बाई के मायरा के आयोजन को लेकर मोहनलाल सर्राफ कथा के अन्य सहयोगियों दिनेश कुमार, नवीन कुमार अग्रवाल, राम अवतार अग्रवाल, विजय गोयल, रोहित गोयल, रतनलाल भालोटिया, घनश्याम दास बंसल, सुमित कुमार सर्राफ के साथ तैयारी में लगे हुए हैं।

धर्म की साधना करते हुए जीवन जीएं : साध्वी भव्यगुणा

होसुर/बेंगलूरु/दक्षिण भारत । यहां साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में मानव जीवन को चार रूप से समझाया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन बालू की रेत, पत्थर, वृक्ष व जवाहरात के समान है। हम इनमें से किस तरह के रूप का जीवन जी रहे हैं इस पर चिंतन मनन करना होगा। बालू की रेत का रूप मनुष्य का सबसे निकृष्ट स्तर है। ऐसा जीव अधर्मी होता है और दूसरों को कष्टदायी होता है। ऐसा जीवन जीने वाले को सुख नहीं मिल सकता। इसी तरह पत्थर समान जीवन जीने वाला जैसी संगत मिलती वैसा बन जाता है। वृक्ष के समान जीवन उपयोगी होता है। ऐसा जीवन जीने वाला परोपकारी व दूसरों का भला चाहने वाला होता है। जवाहरात जैसा जीवन जिनका होता है वह हमेशा दुनिया में चमकते रहते हैं और दुनिया उनका अनुसरण करने के लिए आतुर रहती है। ऐसे लोगों का जीवन आदर्श व अनुकरणीय होता है। धर्म की साधना करते हुए ऐसा जीवन जीए कि दुनिया से विदा होने के बाद भी लोग याद करें। ङ्कसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि मनुष्य की आत्मा ही परमात्मा है। भविष्य स्वर्ग जैसा बनाना चाहते हैं उसके लिए वर्तमान को भी स्वर्ग जैसा बनाना होगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.